हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, मंगलवार, 18 फरवरी 2025 | अंक 127/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

EXCLUSIVE
WEDDING
COLLECTION
•LACHA•BANARASI•LEHENGA
•DESIGNER • FANCY WORK
वैशाली
लाछा अँन्ड सारिज़
लाछा और साडीयों की महारानी
सराफा बाजार, इतवारी नागपुर. | समय: 10.00से7.30
9529081789, 9325112561 | रविवार बंद

दिल्ली-एनसीआर में लगे भूकंप के तेज झटके

लोगों में दहशत, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.0

'दिल्ली-एनसीआर में आज तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए. रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.0 मापी गई है. वहीं दहशत में आकर लोग घरों से बाहर निकल आए. भूकंप के झटके इतने तेज थे कि घरों से बर्तन तक नीचे गिरने लगे.'

नई दिल्ली.

दिल्ली-एनसीआर में सोमवार तड़के 5 बजकर 36 मिनट पर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए. रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.0 मापी गई है. लोगों के मुताबिक भूकंप के झटके कई सेकेंड तक महसूस किए गए. वहीं दहशत की वजह से लोग अपने घरों से बाहर निकल गए. इसका केंद्र दिल्ली के धौला कुआं में धरती से 5 किलोमीटर की गहराई में था.

इसीलिए झटके इतना ज्यादा तेज महसूस हुए. एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप का केंद्र धौला कुआं में दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन के पास था. इस क्षेत्र के पास एक झील है, जहां हर दो से तीन साल में एक बार छोटे, कम तीव्रता वाले भूकंप के झटके लगते रहते हैं. उन्होंने कहा कि 2015 में यहां 3.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था.अधिकारी ने बताया कि भूकंप आने पर तेज आवाज भी सुनी गई.

बता दें कि बहुत सालों बाद दिल्ली-एनसीआर में इतना तेज भूकंप का झटका महसूस किया गया है. हालांकि फिलहाल अभी तक इस भूकंप में किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है. भूकंप के झटके दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम समेत अलग-अलग इलाकों में महसूस किए गए. भूकंप आए तो क्या करें? भूकंप के दौरान सतर्क रहें और धीरे-धीरे कुछ कदमों तक सीमित हलचल करें, जिससे पास में किसी सुरक्षित स्थान तक पहुंच सकें. साथ ही भूकंप के झटकों के रुकने पर घर में तब तक ही रहें जब तक कि आपको यह न लगे कि अब बाहर निकलना सुरक्षित है.

बता दें कि अगर भूकंप के झटके तेज महसूस हो रहे हैं तो आप तत्काल अपने घर में मौजूद मजबूत फर्नीचर के नीचे बैठ जाएं और सिर पर हाथों को रख लें. अगर भूकंप के झटके हल्के हों तो फर्श पर बैठ जाएं. दरअसल दिल्ली- एनसीआर में सोमवार सुबह पांच किमी की गहराई पर रिक्टर पैमाने पर 4.0 तीव्रता का भूकंप आया.

बताया गया कि भूकंप का केंद्र दिल्ली में था. कुछ सेकंड तक चलने वाले झटके इतने तेज़ थे कि रिहायशी इलाकों में भी महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई. कई लोग एहतियात के तौर पर अपने घरों से बाहर निकल गए. हालांकि नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है. बता दें कि दिल्ली-एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र 4 में आता है, जिससे यहां मध्यम से तीव्र भूकंप आने का खतरा रहता है. नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक विक्रेता अनीश ने बताया कि भूकंप इतना तेज था कि सब कुछ हिल रहा था, ग्राहक डर की वजह से चिल्लाने लगे थे.

अधिकारी रख रहे स्थिति पर कड़ी नजर: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दिल्ली और आस-पास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। सभी से शांत रहने और सुरक्षा सावधानियों का पालन करने तथा संभावित झटकों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया गया है। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

एकनाथ शिंदे शुरू करने जा रहे हैं खुद का मेडिकल हेल्प सेंटर

मुंबई.

महाराष्ट्र में महायुति सरकार बनने के बाद से एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के बीच का कोल्ड वॉर किसी से छुपा नहीं है. इस बीच एकनाथ शिंदे अब एक्शन मोड में आ गए हैं. शिंदे ने अपनी पार्टी के सभी मंत्रियों को फिल्ड पर उतरकर काम करने के आदेश दिए हैं. इसके साथ ही एकनाथ शिंदे 4 मार्च को उपमुख्यमंत्री सहायता वैद्यकीय कक्ष का उद्घाटन करने जा रहे हैं. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नाम से पहले से ही मेडिकल कक्ष शुरु है, लेकिन अब शिंदे के एंट्री के बाद अब दो-दो वैद्यकीय कक्ष होने वाले हैं. अब चर्चा यह भी है कि फडणवीस को टक्कर देने के लिए शिंदे ने यह फॉर्मूला तो नहीं अपनाया है. एकनाथ शिंदे ने अपने मुख्यमंत्री के कार्यकाल मे 15 हजार मरीजों को 419 करोड़ रुपये दिए. इस कामकाज से अब एकनाथ शिंदे की तरफ लोगों की संख्या बढ़ने लगी है. शिंदे के पास अब पांच साल है, उस हिसाब से शिंदे अपने कदम रख रहे हैं. मंत्रालय के पहले फ्लोर पर यह कक्ष शुरू होने वाला है. इसी तरह, मंत्रालय की सातवीं मंजिल पर मुख्यमंत्री का वॉर रूम है, जहां महाराष्ट्र के प्रमुख प्रोजेक्ट्स और अहम मुद्दों की निगरानी होती है. उसके ठीक पास ही शिंदे ने डीसीएम कॉर्डिनेशन कमेटी कक्ष बना दिया है, जिससे वह भी राज्य की परियोजनाओं की समीक्षा कर सकें.

देश का वास्तविक विकास तभी होगा, जब हमारे आदिवासी समुदाय आगे बढ़ेंगे: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'आदि महोत्सव, 2025' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए रविवार को कहा कि देश में जारी विकास पहलों ने आदिवासी समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हमारे देश का वास्तविक विकास तभी होगा जब हमारे आदिवासी समुदाय आगे बढ़ेंगे। "विकास पहलों ने आदिवासी समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है" राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि विकास पहलों ने अरुणाचल प्रदेश से लेकर गुजरात और जम्मू-कश्मीर से लेकर अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तक के आदिवासी समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। उन्होंने कहा, "इन प्रयासों ने न केवल आदिवासी परिवारों को अवसर प्रदान किए हैं, बल्कि उनकी संस्कृति और योगदान के बारे में जागरूकता भी बढ़ाई है।" राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा इन प्रयासों का मूल है, जिससे आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी और उन्हें बेहतर भविष्य के लिए सशक्त बनाया जा सकेगा। मुर्मू ने यह भी कहा कि शिक्षा के अवसरों को और बढ़ाने के लिए लगभग 250 नए एकलव्य स्कूल निर्माणाधीन हैं। उन्होंने कहा कि लाखों आदिवासी छात्र छात्रावास सुविधाओं से लाभान्वित हो रहे हैं और उन्हें विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता भी दी जा रही है।

मुर्मू ने कहा, "शिक्षा किसी भी समाज के विकास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यह बहुत संतोष की बात है कि 470 से अधिक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय देश भर में 1.25 लाख आदिवासी बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच बढ़ाने के लिए आदिवासी बहुल क्षेत्रों में 30 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं। 'आदि महोत्सव' एक वार्षिक उत्सव है, जो आदिवासी विरासत, शिल्प और उद्यमशीलता का जश्न मनाता है और आदिवासी परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

नए सीईसी के नाम पर पीएमओ में बैठक

मोदी-शाह और राहुल के बीच हुई चर्चा

नई दिल्ली.

देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार 18 फरवरी को रिटायर हो रहे हैं. ऐसे में नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति होनी है. इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में चयन समिति की बैठक हुई. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी बैठक में मौजूद रहे. ये बैठक साउथ ब्लॉक में हुई. बैठक के बाद कांग्रेस ने कहा कि इस मामले में 19 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा. इसलिए ये बैठक होनी ही नहीं चाहिए थी. सीईसी को लेकर होने वाला फैसला संतुलित हो, सिर्फ कार्यपालिका चयन ना करे.

बता दें कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति के लिए तीन सदस्यीय चयन समिति बनी है. पहले सीईसी की नियुक्ति वरिष्ठता के आधार पर होती थी.

उनके बाद ज्ञानेश कुमार सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त हैं. मगर, नए प्रावधानों के तहत चयन समिति बहुमत या सर्वसम्मति से निर्वाचन आयुक्त का चयन करेगी. मीटिंग खत्म होने के बाद कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इसमें कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा, आज सीईसी को चुनने के लिए मीटिंग थी.सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 19 फरवरी को इस पर सुनवाई करेगा कि कमेटी का संविधान कैसा होना चाहिए. इसको देखते हुए कांग्रेस का मानना है कि आज की मीटिंग को स्थगित किया जाना चाहिए था. राज्यसभा सांसद मनु सिंघवी ने कहा, कांग्रेस का मानना है कि संस्थाओं के समन्वय और संविधान की आत्मा का सही अनुपालन करना है तो ऐसा फैसला लिया जाना चाहिए जो लोकतंत्र के हित में हो. नए कानून में कई खामियां हैं. सीईसी को लेकर होने वाला फैसला संतुलित हो, सिर्फ कार्यपालिका चयन ना करे.

कानून मंत्री की अगुवाई में बनी थी सर्च कमेटी

बता दें कि सरकार ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की अगुवाई में एक सर्च कमेटी का गठन किया था. इसमें दो अन्य सदस्य के तौर पर वित्त और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के सचिवों को शामिल किया गया. सर्च कमेटी ने सीईसी और ईसी के रूप में नियुक्ति के लिए 5 सचिव स्तर के अधिकारियों के नामों की सूची की. अब प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली चयन समिति इसमें से सीईसी और ईसी के नाम तय करेगी. चयन समिति में पीएम मोदी के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शामिल हैं.

इंजीनियरिंग कॉलेज के होस्टल में मृत मिली नेपाल की छात्रा

भुवनेश्वर. ओडिशा में एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा ने अपने होस्टल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली है। इस घटना के बाद से ही संस्थान में तनाव का माहौल पसरा हुआ है। जानकारी के मुताबिक, मृतक छात्रा नेपाल की रहने वाली है। ये पूरा मामला कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) के बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, छात्रा के भाई ने शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया है कि उसकी बहन ने रविवार को अपने होस्टल के कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। केआईआईटी ने कहा है- "बीटेक तृतीय वर्ष में पढ़ने वाली नेपाल की एक छात्रा ने कल छात्रावास में आत्महत्या कर ली।

चीन हमारा दुश्मन नहीं: सैम पित्रोदा

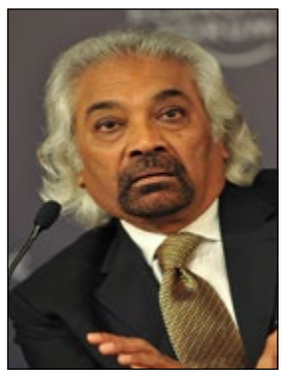

नई दिल्ली.

बीजेपी ने किया पलटवार

बीजेपी के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने सैम पित्रोदा के बयान को गलवान के शहीदों का अपमान बताया है. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार आगे बढ़ रहा है. लेकिन, कुछ शक्तियां इसे प्रभावित करने में लगी हुई है. ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने आज चीन को लेकर आज जिस प्रकार का बयान दिया है, उससे यह बात बहुत साफ हो गई है कि कांग्रेस पार्टी के चीन के साथ हुए करार का इजहार वो दिनदहाड़े कर दिया है.

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राहुल गांधी के करीबी सैम पित्रोदा ने कहा कि चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता है. अब समय आ गया है कि हम पड़ोसी देश को पहचानें और उसका सम्मान करें. आईएएनएस से बातचीत में पित्रोदा ने भारत-चीन संबंधों पर अपनी राय रखते हुए कहा कि भारत को अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत है और यह धारणा छोड़ने की जरूरत है कि चीन दुश्मन है. उन्होंने कहा कि भारत का दृष्टिकोण हमेशा से टकराव वाला रहा है, जो दुश्मनी पैदा करता है. उनका मानना है कि सोचने का यह तरीका बदलना चाहिए, यह जरूरी नहीं कि हम हमेशा चीन को दुश्मन मानें और यह सिर्फ चीन के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए होनी चाहिए. सैम पित्रोदा ने कहा, "मुझे नहीं पता कि चीन से क्या खतरा है.

मुझे लगता है कि इस मुद्दे को अक्सर जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, क्योंकि अमेरिका को हमेशा दुश्मन की पहचान करनी होती है." कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि अब सभी देशों को एक साथ आने का समय है. हमें सीखने, संवाद बढ़ाने, सहयोग करने और मिलकर काम करने की जरूरत है.

हमें 'कमांड और कंट्रोल' की मानसिकता से बाहर निकलना होगा. उन्होंने कहा, "चीन चारों ओर है... चीन बढ़ रहा है... हमें इसे पहचानना और समझना होगा. हर देश आगे बढ़ रहा है, कुछ तेजी से, कुछ धीमे, जो बहुत गरीब हैं, उन्हें तेजी से बढ़ना होगा, और जो संपन्न हैं, उनकी वृद्धि धीमी होगी. जो विकसित हैं, उनकी आबादी बुजुर्ग होगी, जबकि विकासशील देशों की आबादी युवा होगी. हमें इन सब चीजों को एक साथ देखना होगा."

कांग्रेस संगठन में बदलाव पर राहुल गांधी की छाप

नई दिल्ली.

नई दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली करारी मात के बाद कांग्रेस ने अपने संगठनात्मक बदलाव शुरू कर दिए हैं. कांग्रेस ने तीन दिन पहले कई राज्यों के प्रभारी बदले हैं, जिसमें पार्टी ने अनुभवी और परखे हुए नेताओं को जिम्मेदारी देने के साथ-साथ युवा चेहरों को खास तवज्जो दी है. इस तरह कांग्रेस संगठन में होने वाले बदलाव पर राहुल गांधी की छाप खास नजर आ रही है, क्योंकि युवाओं को मौका देने के साथ-साथ दलित, ओबीसी और अल्पसंख्यक समाज के नेताओं को तरजीह दी गई है. इस तरह राहुल गांधी ने सामाजिक न्याय के एजेंडे को धार देने के लिए कांग्रेस के संगठन में भी सामाजिक न्याय की कवायद शुरू कर दी है. ऐसे में देखना है कि राहुल के इस बदलाव से कांग्रेस के दिन भी बदलते हैं कि नहीं? कांग्रेस ने तीन दिन पहले 2 राज्यों के महासचिव और 9 के लिए प्रभारी नियुक्त की है. कांग्रेस ने 9 में से 6 प्रभारियों को बदला है. छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को कांग्रेस का महासचिव बनाते हुए पंजाब का प्रभार सौंपा है. कांग्रेस के संगठनात्मक बदलाव पर नेता राहुल गांधी की सियासी छाप को साफ देखा जा सकता है. खासकर उनके तीन करीबी सहयोगियों को प्रमुख जिम्मेदारियां दी गई हैं. ये सहयोगी संगठनात्मक मामलों में राहुल के साथ काम कर चुके हैं. ऐसे ही प्रियंका गांधी के करीबी नेताओं को भी संगठन में जगह दी गई है. कांग्रेस ने सगंठन में बदलाव करते हुए रजनी पाटिल को हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ का प्रभारी बनाया गया. बीके हरिप्रसाद को हरियाणा, हरीश चौधरी को मध्य प्रदेश, गिरीश चोड़नकर को तमिलनाडु और पुडुचेरी का प्रभारी बनाया है.

महाकुंभ मेला क्षेत्र में फिर लगी आग

प्रयागराज.

महाकुंभ मेले में एक बार फिर आग लगने की घटना सामने आई है. मेला के सेक्टर 8 में एक शिविर में आग लग गई, जिसमें कई टेंट जलकर स्वाहा हो गए. घटना में किसी की जान नहीं गई है, लेकिन आग की चपेट में आने से काफी नुकसान हुआ है. मौके पर फायरब्रिगेड और एनडीआरएफ की टीमें मौजूद हैं और आग पर काबू पा लिया गया है. बताया जा रहा है कि यह आग कल्पवासियों द्वारा खाली किए गए तंबुओं में लगी थी. आग काफी बड़ी थी और तेजी से फैल रही थी, लेकिन समय रहते फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ की टीम ने आग पर काबू पा लिया. आग की चपेट में आने से कवि मानस मंडल के तीन टेंट और उपभोक्ता संरक्षण समिति के दो से तीन टेंट जलकर राख हो गए. हालांकि, घटना के समय टेंट में कोई मौजूद नहीं था, लेकिन वहां रखा सारा सामान जलकर राख हो गया. इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और मौके की स्थिति सामान्य कर ली गई है. यह महाकुंभ में एक महीने में पांचवीं आग की घटना है. इससे पहले महाकुंभ मेले के सेक्टर-19 में एक शिविर के पुआल में लगी आग गैस सिलेंडर फटने की वजह से तेजी से फैली और आग की चपेट में आने से करीब 18 शिविर जलकर खाक हो गए थे.

प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट इनफ इज इनफ: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट मामले में लगातार दाखिल हो रही याचिकाओं पर सोमवार को कहा कि अब हम कोई नई याचिका स्वीकार नहीं करेंगे. इस मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई खन्ना नाराज हो गए. उन्होंने कहा कि इनफ इज इनफ. हम पूजा स्थल अधिनियम मामले में नई याचिकाओं पर विचार नहीं करने जा रहे. इसका अंत होना चाहिए! सुप्रीम कोर्ट ने पूजा स्थल अधिनियम की वैधता के सवाल पर दाखिल नई याचिकाओं पर नाराजगी जताई है. सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि इतनी अधिक संख्या में याचिकाएं दाखिल कर दी गई हैं. पिछली बार हमने सारी याचिकाओं को अनुमति दी थी. इस मामले में एक अप्रैल से शुरू होने वाले हफ्ते में लिस्ट किया जाए. साथ ही तीन जजों की बेंच के सामने मामले को रखा जाए. आपको बता दें कि कोर्ट ने इस मामले में पूजा स्थल अधिनियम 1991 पर दाखिल नई याचिकाओं पर नोटिस जारी करने से इनकार किया है. सीजेआई ने कहा कि अतिरिक्त आधारों के साथ हस्तक्षेप अर्जी दाखिल कर सकते हैं. सुनवाई के दौरान वकील ने कहा कि केंद्र को जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दिया जाए. कोर्ट ने कहा कि जिन पर नोटिस जारी नहीं हुआ है उनपर सुनवाई नहीं करेंगे. आपको बता दें कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में अश्विनी कुमार उपाध्याय ने याचिका दायर की थी.बाद में सुप्रीम कोर्ट ने शाही- ईदगाह- कृष्ण जन्मभूमि, काशी -विश्वनाथ- ज्ञानवापी मस्जिद विवाद, संभल मस्जिद विवाद, कमाल मौला मस्जिद- सरस्वती मंदिर विवाद आदि सहित मंदिर- मस्जिद विवाद से संबंधित सभी मामलों को एक साथ जोड़ लिया था.

कर्नाटक में कांग्रेस में अंदरूनी विवाद तेज

बेंगलुरु.

कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के अंदर भी स्थिति सही नहीं दिख रही है. पार्टी में अंदरूनी विवाद बढ़ता ही जा रहा है. अब राज्य के सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने आज सोमवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर पलटवार करते हुए उनसे एआईसीसी अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी और पार्टी हाईकमान के नाम का 'दुरुपयोग' न करने का अनुरोध किया.

सहकारिता मंत्री रविवार को शिवकुमार के उस बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से राजन्ना और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के करीबी माने जाने वाले अन्य पार्टी नेताओं और मंत्रियों पर निशाना साधा था. उन्होंने कहा था कि किसी को भी कर्नाटक में कांग्रेस के निर्विवाद नेता सीएम के नाम का 'दुरुपयोग' करने वाले बयान देने की कोई जरूरत नहीं है. साल के अंत में होनी है सत्ता परिवर्तन, उपमुख्यमंत्री शिवकुमार का बयान पार्टी नेताओं के एक गुट के उस बयान के जवाब में था, जो सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करने का पुरजोर समर्थन करता है, जिसमें कहा गया है कि इस साल के अंत में कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच अगले विधानसभा चुनाव में सत्ता बरकरार रखने के लिए उनका नेतृत्व पार्टी के लिए बेहद अहम है.

प्रदेश कांग्रेस प्रमुख शिवकुमार, जो कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद मुख्यमंत्री पद की रेस में थे. तब उन्होंने खुद मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को भी किसी से छुपाया नहीं था, ने राजन्ना के बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. क्या यह शिवकुमार को चेतावनी है?

यह पूछे जाने पर कि क्या डीके शिवकुमार का मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नाम का दुरुपयोग न करने का बयान उनके और अन्य लोगों के लिए चेतावनी है, इस पर उन्होंने जवाब दिया कि यह सिर्फ एक बयान है और चेतावनी काम नहीं करेगी.

उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा, "अगर हमने गलत किया है, तो चेतावनी दी जा सकती है. लेकिन हमने क्या गलत किया है." मुख्यमंत्री के रूप में सिद्धारमैया के 5 साल का कार्यकाल पूरा करने की मांग के बारे में राजन्ना ने कहा कि यह अन्य वरिष्ठ मंत्रियों की राय है और उन्होंने भी इस मामले पर अपनी सहमति जताई है. उन्होंने कहा, "हमारी राय चाहे जो भी हो, आखिरकार फैसला हाईकमान ही करता है."

केरल-राजस्थान से लौटकर बात करूंगा: शिवकुमार

हालांकि उन्होंने महज इतना ही कहा कि वे फिलहाल इस बहस में शामिल नहीं होना चाहते हैं. केरल और राजस्थान दौरे से लौटने के बाद वह इस मुद्दे पर बात करेंगे. बेंगलुरु में सहकारिता मंत्री राजन्ना ने कहा, "मैं भी इस बात से सहमत हूं कि मुख्यमंत्री के नाम का दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए. हमें उनसे (शिवकुमार) यह भी कहना चाहिए कि वे एआईसीसी और हाईकमान के नाम का दुरुपयोग न करें, क्योंकि वे बार-बार इसका उल्लेख करते रहे हैं. हर बात के लिए वे एआईसीसी का जिक्र करते हैं. क्या एआईसीसी यहां आकर हर मुद्दे पर जवाब देगी? यदि कोई मुद्दा उनके संज्ञान में लाया जाता है, तो वे अपनी राय या निर्देश दे सकते हैं."

यह आरोप नहीं, फैक्ट है: राजन्ना

उन्होंने आगे कहा, "हम सभी हाईकमान के निर्देश का पालन करेंगे, लेकिन यह अलग मुद्दा है. राजनीति में लोग अपनी सुविधा के अनुसार चीजों का दुरुपयोग करते हैं." यह पूछे जाने पर कि क्या वे आरोप लगा रहे हैं कि शिवकुमार एआईसीसी के नाम का दुरुपयोग कर रहे हैं, इस पर मंत्री ने जवाब दिया, "हां, यह आरोप नहीं है, बल्कि फैक्ट है." एक सवाल के जवाब में मंत्री राजन्ना ने कहा, "करीब 50 साल तक कांग्रेस में काम करने और वरिष्ठ सदस्य होने के नाते मुझे पार्टी अनुशासन के बारे में किसी और से सीखने की कोई जरूरत नहीं है."

सोयाबीन तेल में नेपाल कर रहा बड़ा खेल

> भारत को कर दिया 200 करोड़ का एक्सपोर्ट

नई दिल्ली.

भारत और नेपाल के संबंध सदियों पुराने हैं. दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध भी बहुत पुराना और मजबूत है. लेकिन, इन दिनों नेपाल से सोयाबीन तेल के आयात को लेकर भारत परेशान है. दरअसल, नेपाल भारत को जितना सोयाबीन तेल निर्यात कर रहा है, असलियत में वहां उतने सोयाबीन का उत्पादन ही नहीं है. अब ऐसे में भारत सरकार और मार्केट एक्सपर्ट्स को डर है कि कहीं नेपाल भारत के टैरिफ छूट का फायदा उठाने के लिए सोयाबीन तेल में कोई खेल तो नहीं कर रहा.

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल से नवंबर 2024 के बीच नेपाल से सोयाबीन तेल का आयात पिछले साल की तुलना में 14 गुना बढ़ गया है. हैरानी की बात यह है कि नेपाल सोयाबीन का मामूली उत्पादक है, लेकिन उसके सोयाबीन तेल का भारत को निर्यात तेजी से बढ़ रहा है.

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल से नवंबर 2024 में भारत का कुल सोयाबीन तेल आयात भी 19 फीसदी बढ़कर लगभग 3 अरब डॉलर हो गया, जो 2023 में 2.5 अरब डॉलर था. हालांकि, इस दौरान ब्राजील, जो सोयाबीन के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है, के निर्यात में गिरावट दर्ज की गई है. मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह आंकड़े दिखाते हैं कि नेपाल मूल नियमों का उल्लंघन और टैरिफ अंतर का फायदा उठा रहा है. दरअसल, 2009 में नेपाल-भारत व्यापार समझौते के तहत नेपाल के उत्पादों को भारत में शुल्क-मुक्त (टैरिफ फ्री) कर दिया गया था. आंकड़े बताते हैं कि नेपाल को 30 फीसदी से ज्यादा टैरिफ लाभ मिलता है.

कस्टम ड्यूटी में बदलाव का असर

पिछले साल सितंबर में भारत ने सोयाबीन तेल, पाम ऑयल और सूरजमुखी तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी में 20 फीसदी की वृद्धि की थी, जिससे कुल ड्यूटी 35.75 फीसदी हो गई. इसका मकसद भारतीय तिलहन किसानों की आय को सुरक्षित करना था. हालांकि, इस बदलाव के बाद नवंबर 2024 में सोयाबीन तेल का आयात बढ़कर 23.46 मिलियन डॉलर हो गया, जो 2023 में 1.42 मिलियन डॉलर था. अप्रैल से नवंबर 2024 के बीच कुल आयात 38.15 मिलियन डॉलर रहा, जो पिछले साल 2.81 मिलियन डॉलर था.

म्यूचुअल फंड एनएफओ की बहार

नई दिल्ली.

शेयर बाजार के तेज उतार-चढ़ाव के बीच आईपीओ की रफ्तार जहां धीमी हो गई है, वहीं म्यूचुअल फंड के नए फंड ऑफर यानी एनएफओ की बहार है। 16 एनएफओ में से पांच इंडेक्स फंड हैं, तीन सेक्टोरल, दो थीमेटिक, एक मल्टीकैप, एक वैल्यू और बाकी दूसरी थीमों पर आधारित एनएफओ हैं। कोई भी एनएफओ एक बार बंद होने के बाद उसी तरह से फिर से निवेश के लिए खुलता है जैसे आईपीओ बंद हो जाते हैं और शेयर सूचीबद्ध होने पर फिर से शेयरों की खरीद फरोख्त शुरू हो जाती है।कम मूल्य वाली कंपनियों की पहचान करता है वैल्यू फंड

महिंद्रा मैनुलाइफ म्यूचुअल फंड ने वैल्यू फंड लॉन्च किया है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जो वैल्यू निवेश दृष्टिकोण के माध्यम से लंबे समय में पूंजी में वृद्धि चाहने वाले निवेशकों के लिए बनाया गई है। फंड का लक्ष्य बुनियादी रूप से मजबूत लेकिन कम मूल्य वाली कंपनियों की पहचान करना और उनमें निवेश करना है, जिससे स्थायी रिटर्न की उनकी क्षमता का पता लगाया जा सके। यह 21 फरवरी को बंद होगा। फिर से खरीदी बिक्री के लिए 5 मार्च से खुलेगा। इसका लक्ष्य मौलिक रूप से मजबूत लेकिन कम मूल्य वाली कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी-संबंधित साधनों के विविध पोर्टफोलियो में निवेश करके लंबे समय में पूंजी में बढ़त करना है।

यह फंड एक सक्रिय निवेश रणनीति का पालन करता है, जो उच्च टर्नअराउंड क्षमता वाले अपने आंतरिक मूल्य से नीचे कारोबार करने वाले शेयरों की पहचान करता है।

सरकारी टेलीकॉम कंपनी को खूब हो रहा मुनाफा

नई दिल्ली.

बीते साल 4 जुलाई 2024 को जब प्राइवेट कंपनियों ने अपने टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया था, तब से लेकर अब तक बहुत सारे यूजर्स पर इसका असर देखने को मिला है। बढ़ते रिचार्ज प्लान्स से परेशान होकर बहुत सारे यूजर्स ने अपने सिम कार्ड को पब्लिक टेलिकॉम आपरेटर बीएसएनएल में स्विच कर लिया था। हलांकि, बीएसएनएल की 5जी कनेक्टिविटी बहुत ही लिमिटेड इलाकों में मिलती है, फिर भी कई सारे यूजर्स ने बीएसएनएल की ओर रुख कर लिया।

यही कारण रही कि डुबती हुई सरकारी टेलीकॉम कंपनी को अब खुब मुनाफा हो रहा है। दरअसल, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 262 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। इसके साथ कंपनी लगभग 17 वर्षों के बाद लाभ में आई है। उन्होंने इसे सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया, जो सेवा पेशकश और ग्राहक आधार के विस्तार पर ध्यान दे रही है। सिंधिया ने कहा कि भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने कई क्षेत्रों में सुधार किया है तथा मोबाइल, फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) और लीज्ड लाइन सेवा पेशकश में 14-18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने कहा कि दिसंबर में उपभोक्ताओं की संख्या भी बढ़कर लगभग नौ करोड़ हो गई है, जो जून में 8.4 करोड़ थी।मंत्री ने बीएसएनएल के तिमाही परिणामों पर कहा कि आज का दिन बीएसएनएल के लिए और भारत में दूरसंचार क्षेत्र की यात्रा के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। बीएसएनएल ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 17 वर्षों में पहली बार तिमाही आधार पर लाभ दर्ज किया है। पिछली बार बीएसएनएल ने 2007 में तिमाही मुनाफा कमाया था। दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ लगभग 262 करोड़ रुपये रहा। मोबाइल सेवाओं से आमदनी में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई, फाइबर टू द होम आय में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई और लीज्ड लाइन सेवाओं के राजस्व में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बीएसएनएल ने अपनी वित्तीय लागत और समग्र व्यय में कटौती की है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले वर्ष की तुलना में घाटे में 1,800 करोड़ रुपये से अधिक की कमी आई है।

जिओस्टार ने जिओहॉटस्टार लॉन्च किया

नई दिल्ली.

हाल ही में वायाकॉम 18 और स्टार इंडिया के विलय से बने जिओस्टार ने जिओहॉट स्टार लॉन्च किया है। इस प्लेटफॉर्म पर जिओ सिनेमा और डिज्नी + हॉटस्टार जैसे दो प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म एक साथ आ गए हैं। करीब 3 लाख घंटे के मनोरंजन, लाइव स्पोर्ट्स कवरेज और 50 करोड़ से अधिक यूजर्स के साथ जिओ हॉटस्टार मनोरंजन की दुनिया को नए आयाम देने और दर्शकों के लिए इनफिनिट पॉसिबिलिटीज के द्वार खोलने के लिए तैयार है।

प्रीमियम मनोरंजन को सभी के लिए सुलभ बनाने के अपने वादे के अनुरूप, जिओ स्टार ने सभी को आमंत्रित किया है कि वे बिना किसी सब्सक्रिप्शन के अपने पसंदीदा शो, फिल्में और लाइव स्पोर्ट्स का आनंद लें। जो लोग बिना रुकावट और बेहतर अनुभव चाहते हैं, उनके लिए जिओ हॉटस्टार ने सिर्फ ₹49 प्रति तिमाही के किफायती सब्सक्रिप्शन प्लान पेश किए हैं। । मौजूदा जिओ सिनेमा और डिज्नी + हॉटस्टार यूजर्स आसानी से अपने सब्सक्रिप्शन को जिओ हॉटस्टार में बदल सकते हैं।

एंटरटेनमेंट सीईओ, केविन वाज़ ने कहा, "जिओ हॉटस्टार डिजिटल एंटरटेनमेंट के लिए एक नया मानदंड स्थापित कर रहा है। हमारा उद्देश्य हर भारतीय को उनकी भाषा और पसंद के अनुसार कंटेंट उपलब्ध कराना है, ताकि हर कोई अपनी पसंद का मनोरंजन पा सके।"

खेलों में प्लेटफॉर्म की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर देते हुए, जिओ स्टार के स्पोर्ट्स सीईओ, संजोग गुप्ता ने कहा, "भारत में खेल सिर्फ एक खेल से कहीं अधिक है - यह जुनून, गर्व और एक साझा अनुभव है जो लाखों लोगों को एकजुट करता है। जिओ हॉटस्टार प्रशंसकों के लाइव स्पोर्ट्स के अनुभव में क्रांति ला रहा है, जिसमें बेहतरीन तकनीक, पहुंच और इनोवेशन का संयोजन किया गया है। और हम नई ज़मीन तोड़ने के लिए उत्साहित हैं।" जिओहॉटस्टार की नई ब्रांड पहचान इसके असीमित मनोरंजन के दृष्टिकोण को दर्शाती है। 'बिग बैंग' एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है, जबकि 'रिपल्स' ऊर्जा, बदलाव और इनोवेशन का संकेत देते हुए बाहर की ओर फैलते हैं।

मनोरंजन से आगे बढ़कर, जिओहॉटस्टार ब्रांड्स और विज्ञापनदाताओं के लिए नए अवसर लेकर आया है। अपने बड़े दर्शक वर्ग, आधुनिक विज्ञापन विकल्पों और डेटा आधारित व्यक्तिगत अनुभवों के साथ, यह प्लेटफॉर्म व्यवसायों को उपभोक्ताओं से जुड़ने के अनोखे तरीके प्रदान करता है।

सीनियर सिटीजन को ये बैंक दे रहे '9 फीसदी' ब्याज

नई दिल्ली.

सीनियर सिटीजन को सबसे बड़ी टेंशन रिटायरमेंट के बाद अपना खर्च चलाने की होती है, क्योंकि सरकार ने ओल्ड पेंशन स्कीम बंद कर दी. साथ ही प्राइवेट सेक्टर में कभी पेंशन का प्रावधान नहीं रहा. ऐसे में सीनियर सिटीजन को अपने घर और दवा-दारू का खर्च चलाने की टेंशन रहती है.ऐसी कोई परेशानी आपके घर के बड़े बुजुर्ग को है तो हम आपको बता दें फिलहाल कुछ बैंक 5 साल की एफडी पर 9 फीसदी से ज्यादा की ब्याज दे रही हैं. अगर कोई सीनियर सिटीजन पेंशन का जुगाड़ करना चाहते हैं तो इन बैंक में पैसा जमा करके हर महीने अच्छी खासी ब्याज वसूल सकते हैं. यहां हम जिन बैंकों के बारे में आपको बता रहे हैं, उसमें सीनियर सिटीजन को 5 साल की समय अवधि के लिए एफडी करानी होगी. साथ ही जमा की गई रकम 3 करोड़ रुपए से कम होनी चाहिए. अगर आप ओल्ड टैक्स रिजीम में आते हैं तो आपको टैक्स बेनिफिट्स भी मिल सकता है.

अगर सीनियर सिटीजन ने ओल्ड टैक्स रिजीम ली हुई है तो उन्हें एफडी पर मिलने वाले ब्याज पर इनकम टैक्स की धारा 80सी में टैक्स से राहत मिलेगी, लेकिन यहां हम साफ कर देते हैं. जिन्होंने न्यू टैक्स रिजीम को चुना है उन्हें एफडी की ब्याज पर टैक्स रिबेट नहीं मिलेगा. सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक फिलहाल सीनियर सिटीजन को 9.1 प्रतिशत का ब्याज दे रही है. इसके अलावा यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक आपको 8.65 प्रतिशत की ब्याज सीनियर सिटीजन को ऑफर कर रही है.

रियल एस्टेट कंपनी के प्रोजेक्ट्स की बढ़ी डिमांड

नई दिल्ली.

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 23,450 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजनाओं के विकास के लिए चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान 12 प्लॉट खरीदे हैं. कंपनी ने मजबूत उपभोक्ता मांग के बीच कारोबार का विस्तार करने के लिए चालू तिमाही में और अधिक भूखंड खरीदने की योजना बनाई है. गोदरेज प्रॉपर्टीज ने नए कारोबार विकास के तहत भूमि का अधिग्रहण किया है तथा भूस्वामियों के साथ साझेदारी भी की है. समाचार एजेंसी से बातचीत में गोदरेज प्रॉपर्टीज के कार्यकारी चेयरपर्सन पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि दिसंबर तिमाही के दौरान कारोबारी विकास बहुत मजबूत रहा. साथ ही कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान लगभग 11,000 करोड़ रुपये की कुल बुकिंग क्षमता वाली नई परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए हैं. गोदरेज ने कहा कि अप्रैल-दिसंबर के दौरान कारोबार विकास 23,000 करोड़ रुपये को पार कर गया. पिरोजशा ने कहा, हमने 20,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था, इसलिए हम कारोबार विकास के लिए पूरे वर्ष का लक्ष्य पहले ही पार कर चुके हैं.

भविष्य में भूमि अधिग्रहण के बारे में पूछे जाने पर पिरोजशा ने कहा कि पाइपलाइन बहुत मजबूत है और कंपनी कई शहरों में भूमि मालिकों के साथ बातचीत कर रही है. उन्होंने कहा कि कंपनी चालू वित्त वर्ष में नए व्यवसाय विकास में 30,000 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंच सकती है. पिरोजशा ने कहा, हमने दिसंबर तिमाही में पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिए 6,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं. इस कोष को जुटाने से बहीखाते को मजबूती मिली है और वृद्धि के लिए निवेश करने की अच्छी क्षमता मिली है.

सोने की बढ़ती कीमतों ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें

> शादियों के सीजन के बावजूद 80 फीसदी तक घटी मांग

नई दिल्ली.

बाजार में जारी गिरावट के बीच सोने के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं. बीते एक महीने में सोने की कीमतों में 6 फीसदी से ज्यादा का इजाफा हुआ है. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने की 10 ग्राम की कीमत 459 रुपए बढ़कर 85,146 रुपए हो गई है. यही हाल चांदी का भी है. चांदी 46 रुपए बढ़कर 95,632 रुपए किलो हो गई है. सोने की लगातार बढ़ती कीमतों ने लोगों की भी मुश्किलें भी बढ़ा दी हैं.

सोने की लगातार बढ़ती कीमतों ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी है. सोने की कीमतें रिकॉर्ड लेवल पर पहुंचने के बाद ज्वेलरीज की मांग 80 फीसदी तक गिर गई है. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, पूरे देश में आभूषण विक्रेताओं की बिक्री में कमी देखी जा रही है.

दाम में तेजी से शादी के मौसम के बावजूद ग्राहकों ने खरीदी धीमी कर दी है. दूसरी ओर, चीन में डीलरों ने खरीदारों को लुभाने के लिए छूट की पेशकश की है.

इंटरनेशल मार्केट में सोने की कीमत की बात करें तो प्रॉफिट बुकिंग के कारण सोने की कीमतों में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा टैरिफ के लिए दबाव के मद्देनजर वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंकाओं से प्रेरित था.

हाजिर सोना 1.5फीसदी गिरकर 2,883.80 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, लेकिन 0.7फीसदी की साप्ताहिक बढ़त के लिए ट्रैक पर रहा.

इनोवेटिवव्यू इंडिया ने डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई.

देशभर में परीक्षाओं, चुनावों और बड़े पैमाने पर होने वाले आयोजनों के लिए आटोमैटिक सहायक सुरक्षा और निगरानी सॉल्यूशन प्रदान करने वाली टेक्नोलॉजी संचालित कंपनी इनोवेटिवव्यू इंडिया लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस डीआरएचपी दाखिल किया है।

कंपनी इक्विटी शेयरों (प्रत्येक अंकित मूल्य 5 रुपये) की प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से धन जुटाने की योजना बना रही है, जिसमें 20,000.00 मिलियन रुपये [2000 करोड़ रुपये] तक की कुल ऑफर फॉर सेल शामिल है। कुल ऑफर आकार

वित्तीय वर्ष 2024 में राजस्व के मामले में 73.7 फीसदी की बाजार हिस्सेदारी के साथ इनोवेटीव्यू इंडिया लिमिटेड भारत में परीक्षा एकीकृत सुरक्षा समाधान में सबसे बड़ा प्लेयर है।

2025 के सीजन में चीनी उत्पादन कम होने की उम्मीद

नई दिल्ली.

भारत के चीनी उद्योग में चालू चीनी सीजन वर्ष 2025 (एसएसवाई25) के लिए उत्पादन में उल्लेखनीय गिरावट देखी जा रही है, जिसमें कुल उत्पादन 27 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) से नीचे गिरने की उम्मीद है। यह पिछले साल के 31.8 एमएमटी के मुकाबले तेज गिरावट है। सेंट्रम ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। 15 फरवरी, 2025 तक देश में चीनी उत्पादन 19.77 एमएमटी है, यह आंकड़ा पिछले सीजन की इसी अवधि की तुलना में 12 प्रतिशत कम है। उत्पादन में गिरावट मुख्य रूप से इथेनॉल उत्पादन के लिए अधिक चीनी के इस्तेमाल और गन्ने की उपलब्धता में कमी के कारण है।

चीनी उत्पादन के राज्यवार आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां चीनी उत्पादन में सालाना 14 फीसदी की गिरावट आई है। कर्नाटक में 13 फीसदी की गिरावट देखी गई, जबकि उत्तर प्रदेश में 8 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। उल्लेखनीय रूप से, पिछले पखवाड़े में कर्नाटक की गन्ना उपलब्धता में साल-दर-साल आधार पर 22 फीसदी की गिरावट आई। महाराष्ट्र में गन्ने की उपलब्धता में सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत कम हुई वहीं यूपी में चालू सीजन के लिए गन्ने की उपलब्धता 1.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अपेक्षाकृत स्थिर रही।

मिलों में गन्ने की आपूर्ति घटने के कारण समय से पहले पेराई बंद

रिपोर्ट के अनुसार घटती गन्ना आपूर्ति ने कई मिलों को उम्मीद से पहले पेराई कार्य बंद करने के लिए मजबूर किया है। 31 जनवरी तक 23 मिलों ने पेराई का काम बंद किया था, जबकि 15 फरवरी तक 51 मिलों ने परिचालन बंद कर दिया।

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
निकाल
महाराष्ट्र सह्याद्री
• धनलक्ष्मी विकली लॉटरी •
सोडत सायं. 4:30 वाजता
सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 07 • तिकिट कि. रु. 15/- • सोडत दिनांक 17/02/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/-	SL-09 : 4053

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	2481	महावीर लॉटरी सेंटर, कोल्हापूर	
तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	4196	4368	5857

चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1093	2892	3371	4379	5441
1349	2898	3456	4493	5569
1608	2929	3520	5055	5841
1882	2978	3615	5287	5855
2622	2993	3630	5290	5880
2626	3098	3781	5357	5889
2712	3321	3904	5370	5930
2829	3337	4048	5371	5979

महाराष्ट्र तेजस्विनी मासिक सोडत 21/02/2025
₹50 लाख ₹10 लाख ₹5 लाख
महाराष्ट्र सह्याद्री धनलक्ष्मी सोडत दिनांक 17/02/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
निकाल
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी सोम विकली लॉटरी
सोडत सायं. 4:45 वाजता
सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 07 • तिकिट कि. रु. 20/- • सोडत दिनांक 17/02/2025

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	1156	1262	9617	9287	3449

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	7259	9354

तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	0094	1803	3925	8061	9415

चौथे बक्षिस रु. 1000/-	1715	1974	3331	4496	5790	6164	6444	7825	8374	9250
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	0758	0865	2763	3864	4708	4889	5229	5523	6909	9191

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु. 300/-	1021	1622	2543	3327	4146	5266	6146	7077	8026	9523
	1054	1645	2546	3353	4172	5306	6168	7141	8066	9548
0008	1101	1657	2562	3367	4294	5454	6245	7187	8087	9583
0019	1103	1729	2639	3373	4393	5467	6255	7272	8089	9592
0049	1117	1801	2641	3445	4411	5488	6260	7343	8281	9653
0075	1128	1818	2666	3528	4432	5492	6356	7352	8311	9711
0078	1136	1881	2672	3589	4435	5503	6408	7478	8354	9783
0097	1173	1913	2683	3626	4474	5545	6418	7527	8487	9791
0117	1184	2010	2812	3659	4486	5582	6470	7633	8544	9849
0194	1187	2070	2972	3743	4594	5603	6588	7641	8559	9871
0260	1194	2159	2975	3744	4598	5659	6616	7699	8655	9898
0390	1251	2160	2995	3750	4769	5715	6660	7769	8818	9899
0566	1261	2162	3032	3783	4858	5731	6779	7772	8838	9908
0609	1291	2242	3105	3836	4989	5896	6793	7784	8898	9929
0656	1348	2262	3134	3838	5028	5905	6868	7795	8908	9931
0671	1417	2323	3145	3984	5043	5960	6987	7876	9023	9941
0924	1428	2326	3305	4005	5070	6011	7015	7956	9098	9943
0990	1436	2347	3308	4070	5111	6065	7021	7975	9397	9946
1010	1528	2352	3320	4115	5231	6082	7063	8000	9517	9954

महाराष्ट्र गजराज मासिक सोडत 25/02/2025
₹14 लाख ₹2.5 लाख तिकिट किंमत 20/-
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी सोम 17/02/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

अंतर-धार्मिक विवाह' गलत नहीं...

आठवले ने इस कदम का किया विरोध

मुंबई.

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने लव जिहाद को रोकने के लिए महाराष्ट्र सरकार के कानून का मसौदा तैयार करने के कदम का रविवार को विरोध किया. महाराष्ट्र सरकार ने सरकारी संकल्प जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि पुलिस महानिदेशक

(डीजीपी) की अध्यक्षता वाली एक समिति लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण की शिकायतों से निपटने के लिए कदम सुझाएगी. यह समिति कानूनी पहलुओं और अन्य राज्यों में बनाए गए कानूनों पर भी विचार करेगी और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कानून बनाने की सिफारिश करेगी. आठवले ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कट्टरपंथी मुसलमानों के खिलाफ हैं, समुदाय के खिलाफ नहीं हैं. इससे पहले नागपुर में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अंतर-धार्मिक विवाह में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन धोखाधड़ी और पहचान छिपाकर विवाह करने वालों के खिलाफ कदम उठाए जाने की जरूरत है.

अंतर-धार्मिक विवाह को लव जिहाद कहना गलत

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री आठवले ने संवाददाताओं से कहा, अंतर-धार्मिक विवाह को लव जिहाद कहना गलत है. धर्मांतरण रोकने के लिए प्रावधान होना चाहिए. सामाजिक और धार्मिक सौहार्द को बिगाड़ने से रोकने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए. रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के प्रमुख ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी को समान मानते हैं और उन्होंने सभी के लिए कल्याणकारी उपाय शुरू किए हैं. मुसलमानों को भी फायदा हुआ है.

राज्य सरकार ने एक सरकारी संकल्प (जीआर) जारी किया है. इसमें कहा गया है कि राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की अध्यक्षता वाली एक समिति 'लव जिहाद' और जबरन धर्मांतरण की शिकायतों से निपटने के तरीके सुझाएगी. इसके अलावा यह समिति कानूनी पहलुओं और अन्य राज्यों में बनाए गए कानूनों पर भी विचार करेगी और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कानून की सिफारिश करेगी.

मुंबई के मस्जिद बंदर में आग का कहर

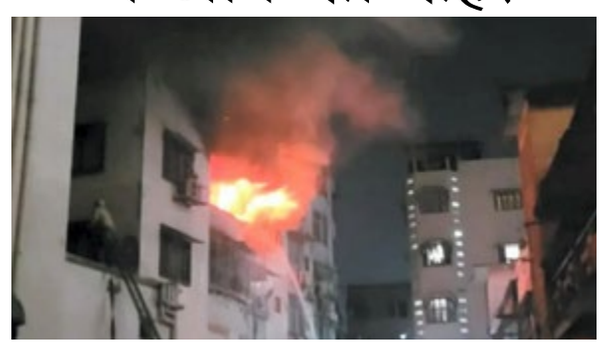

2 महिलाओं की मौत, 5 घायल

मुंबई.

शहर में रविवार सुबह 11 मंजिला एक इमारत में आग लगने से एक महिला की मौत हो गई और तीन अन्य लोगों का दम घुटने लगा। इन तीनों की हालत अब स्थिर है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दक्षिण मुंबई के मस्जिद बंदर इलाके में स्थित पन्ना अली मेंशन इमारत में सुबह छह बजकर 11 मिनट पर आग लग गई। अधिकारी ने कहा कि आग भवन के भूतल पर मीटर और तारों में लगी। इस दौरान प्रथम तल पर मौजूद दो महिलाओं के हाथ-पैरों में चोटें आईं तथा आग लगने से हुए धुएं के कारण उनका दम घुटने लगा। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में सबीला खातून शेख नामक महिला की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि करीम शेख (20), साजिया आलम शेख (30) और शाहीन शेख (22) को सांस लेने में दिक्कत के कारण सरकारी जे जे अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत स्थिर बताई गई है। अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब साढ़े छह बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

मुंबई बैंक घोटाला: पुलिस कस्टडी में हितेश मेहता

मुंबई.

मुंबई की हॉलिडे कोर्ट ने रविवार को न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी हितेश मेहता और धर्मेश पौन को 21 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है. एक दिन पहले मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने बैंक में कथित अनियमितताओं के मामले में हितेश मेहता को हिरासत में लिया था. उनपर बैंक से 122 करोड़ का वित्तीय जालसाजी और गबन का आरोप है. वहीं, आर्थिक अपराध शाखा ने आज हितेश मेहता को रिमांड के लिए कोर्ट में पेश किया था. न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के पूर्व जनरल मैनेजर हितेश प्रवीनचंद मेहता पर आरोप है कि उन्होंने दादर और गोरेगांव शाखाओं में अपनी जिम्मेदारी के दौरान बैंक से 122 करोड़ रुपए की हेराफेरी की है. उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग कर 122 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी को अंजाम दिया. आर्थिक अपराध शाखा ने बीते दिन भी हितेश मेहता से इस मामले में पुछताछ की थी जिसमें उन्होंने कथित तौर पर बैंक से धीरे-धीरे अकाउंट से पैसे निकाले की बात कबूली थी. दरअसल, न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक के खजाने का लॉकर प्रभादेवी और गोरेगांव में स्थित है. पूरा बैंक फ्रॉड मामला इन्हीं दो शाखाओं का है. हितेश मेहता के पास इन दोनों शाखाओं के खजाने की चाबियां थीं. वहीं, आरोप है कि उसने दादर और गोरेगांव शाखाओं में अपनी जिम्मेदारी के दौरान बैंक से 122 करोड़ रुपये का गबन किया. प्रभादेवी से 112 करोड़ रुपए और गोरेगांव से 10 करोड़ रुपए निकाले गए हैं.

मस्जिद प्रबंधन को पुलिस थमा रही नोटिस

मुंबई.

मुंबई में मस्जिदों पर लगे लाउड स्पीकर से अजान कि आवाज़ आने की शिकायत मिलने के बाद पुलिस एक्शन में आ गई है. सोमवार को पुलिस जांच के लिए सड़कों पर उतरी. मस्जिदों के सामने अज़ान शुरू होने के पहले और बाद में पुलिस डेसिबल मीटर के साथ लाइव जांच कर रही है. इस दौरान जिन मस्जिदों द्वारा कानून का उल्लंघन किया जा रहा है पुलिस उनको नोटिस थमा रही है. मस्जिदों पर लगे गैर कानूनी लाउड स्पीकर और सुप्रीम कोर्ट के तयशुदा मानक से ज्यादा आवाज का रियलिटी चेक किया. दरअसल बीजेपी ने मुंबई की मस्जिदों में लगे लाउड स्पीकरों से होने वाले अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ अभियान शुरू किया है. पार्टी ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए स्वीकार्य स्तर से ज्यादा शोर मचाने वाली मस्जिदों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है. बीजेपी के पूर्व सांसद किरीट सोमैया और पार्टी के अन्य नेता लाउडस्पीकर के शोर को लेकर लगातार आक्रामक हैं. अब तक बीजेपी डेलिगेशन भांडुप, घाटकोपर और विक्रोली पुलिस थानों में जाकर इनके इलाकों में जिन मस्जिदों में बिना अनुमति लाउड स्पीकर लगाए गए हैं उनके खिलाफ पुलिस को एक्शन लेने के लिए शिकायत कर चुके हैं. वहीं पुलिस ने भी ऐसे मस्जिद प्रबंधन कमिटी को नोटिस देना शुरू कर दिया है जो बिना अनुमति लाउड स्पीकर लगाकर अज़ान करते है. इसके साथ ही पुलिस उन्हें भी नोटिस दे रही है जो परमिशन लेकर लाउड स्पीकर लगाए हैं लेकिन तयशुदा डेसिबल के मानक का उल्लंघन कर रहे हैं.

अज़ान के डेसिबल को नाप रही पुलिस

घाटकोपर पुलिस ने अपने इलाके के सभी मस्जिदों के लाउड स्पीकर अज़ान के डेसिबल को नापा. सड़क पर गाड़ियों और हवाई जहाज के शोर का डेसिबल यानी शोर 85 से 90 तक बता रहा था. जबकि जब अज़ान शुरू हुई तब डेसिबल 70 से 75 के बीच था. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार जो लाउडस्पीकर के लिए मानक तय हुआ है वो 55 से 75 के बीच ही रहेगा.

मुंबई की हाजी अली दरगाह

पीर हाजी अली शाह बुखारी एक सूफ़ी संत थे. हाजी अली का इतिहास, इस दरगाह की स्थापना सन 1631 ई. में की गई थी. इसका निर्माण हाजी उसमान रनजीकर, जो तीर्थयात्रियों को मक्का ले जाने वाले जहाज के मालिक थे, उन्होंने करवाया था. बताया जाता है कि हाजी अली बहुत धनी थे जिन्होंने मक्का तीर्थ यात्रा से पहले सारा धन त्याग दिया था और मक्का यात्रा के दौरान ही उनकी मृत्यु हो गई. उनके नाम पर मुंबई में हाजी अली दरगाह बनी है. यह दरगाह मुस्लिमों के लिए बहुत पवित्र है और मुंबई का एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल है. वे उज़बेकिस्तान के बुखारा प्रांत के एक धनी व्यापारी परिवार से थे. वे मीर सैय्यद अली हमदानी के शिष्य थे. दिल्ली सल्तनत के समय में वे वर्ली द्वीप पर आए थे. उन्होंने मक्का जाने से पहले अपनी सारी संपत्ति ग़रीबों में बांट दी थी. मक्का जाने के दौरान ही उनकी मृत्यु हो गई. कहा जाता है कि उनका ताबूत बहते हुए मुंबई वापस आ गया था. उनकी कोई संतान नहीं थी, इसलिए उनका कोई प्रत्यक्ष वंशज नहीं है. यह दरगाह मुंबई के वरली तट के पास स्थित एक छोटे से टापू पर बनी है. यह दरगाह इस्लामिक इंडो शैली में बनी है. दरगाह के अंदर स्थित मस्जिद में 85 फ़ुट ऊंचा टावर है. दरगाह की वास्तुकला का मुख्य आकर्षण यह टावर है. दरगाह के अंदर की दरगाह जरीदार लाल और हरी चादर से ढकी रहती है.

महारेरा की सख्त कार्रवाई से शिकायतों में कमी

मुंबई.

महाराष्ट्र रियल एस्टेट अथॉरिटी (महारेरा) की वेबसाइट पर अपनी तिमाही प्रगति रिपोर्ट अपडेट करने वाली आवासीय परियोजनाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और अब यह 62 प्रतिशत तक पहुंच गई है। जनवरी 2023 में जब महाराज ने इन परियोजनाओं की समीक्षा शुरू की तो यह अनुपात नगण्य था। महारेरा ने दावा किया है कि इससे घर खरीदारों की शिकायतों की संख्या में भी कमी आई है।

प्रवक्ता ने बताया कि महारेरा की निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई और गैर-उत्तरदायी आवास परियोजनाओं के बैंक खातों को फ्रीज करने और महारेरा पंजीकरण संख्या को निलंबित करने की सख्त कार्रवाई शुरू करने के कारण यह प्रतिक्रिया बढ़ी है। राज्य में 18,120 आवास परियोजनाएं चल रही हैं। इनमें से 11,080 परियोजनाओं ने अपने त्रैमासिक फॉर्म अद्यतन कर दिए हैं। वर्तमान में राज्य में 62 प्रतिशत आवासीय परियोजनाएं महारेरा वेबसाइट पर तिमाही आधार पर जानकारी अपडेट कर रही हैं। जब जनवरी 2023 में महारेरा ने एक अनुपालन प्रकोष्ठ स्थापित किया और परियोजनाओं की जांच शुरू की, तो 748 में से केवल दो या 0.02 प्रतिशत परियोजनाओं ने ही संबंधित जानकारी को स्वयं अद्यतन किया था। कानून के अनुसार हर तिमाही, यानी जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर की 20 तारीख तक महारेरा वेबसाइट पर तिमाही प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से अपडेट करना अनिवार्य है, जिससे घर खरीदने वाले को परियोजनाओं के बारे में सभी जानकारी मिल जाती है और ग्राहक सशक्त होता है।

इसके लिए फार्म एक और दो के अनुसार निर्माण प्रगति रिपोर्ट, फार्म तीन के अनुसार व्यय का विवरण, तथा कितने फ्लैट और गैराज पंजीकृत किए गए हैं, कितना धन प्राप्त हुआ है और कितना खर्च किया गया है, क्या परियोजना योजना में कोई परिवर्तन हुआ है आदि का विवरण उपलब्ध कराना आवश्यक है।

पूर्व पार्षद ने थाने में ही खाया जहर

मुंबई. नवी मुंबई के सी वुड्स इलाके के पूर्व सिविल सेवक भरत जाधव ने रायगढ़ जिले के कर्जत पुलिस स्टेशन में जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया है। फिलहाल उनका नवी मुंबई के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है और इस घटना से हड़कंप मच गया है। घटना से पहले उसने अपनी पीड़ा का एक वीडियो वायरल किया था। नवी मुंबई नगर निगम के पूर्व नगरसेवक भरत जाधव ने रायगढ़ जिले के कर्जत पुलिस स्टेशन में जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया है। अपनी व्यथा व्यक्त करने के बाद उसने अचानक जेब में रखी जहर की बोतल मुंह से लगा ली और पी लिया, जिससे थाने में हड़कंप मच गया। यह घटना शनिवार को घटी। जहर खाने से पहले उसने अपनी कार में अपना एक वीडियो बनाया था। इसमें उन्होंने अपने साथ हुए अन्याय की कहानी बयां की और अटकी पड़ी संपत्ति खरीद-बिक्री परियोजनाओं, उनके लिए लिए गए ऋणों, बैंक ऋणों और उनके ब्याज आदि पर अपनी व्यथा व्यक्त की। उन्होंने वीडियो में दावा किया है कि बीड, कर्जत (जी रायगढ़) और जामखेड में धोखाधड़ी हुई है। इस मामले में कर्जत पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुरेंद्र गरद द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जाधव शनिवार को पुलिस स्टेशन आए थे। उन्होंने धोखा खाने पर अपना दुख व्यक्त किया। हम उनकी पूरी बातें सुन रहे थे। लेकिन अचानक उसने अपनी जेब से एक बोतल निकाली और उसमें से जहर पी लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए उन्हें तुरंत कर्जत सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच, उनके रिश्तेदारों को बुलाया गया। कर्जत अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें नवी मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुणे में है कोरियाई होटल, रेस्तरां और गेमिंग का दृश्य

पुणे. दक्षिण कोरिया की दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई, स्टील कंपनी पोस्को और खाद्य उद्योग लोटे जैसे कोरियाई उद्योगों ने पुणे के तालेगांव के महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) क्षेत्र में अपने पंख फैलाए हैं। इसी क्षेत्र में हंगग रिज़ॉर्ट है, जहां हुंडई कर्मचारियों के लिए कमरे आरक्षित हैं। रिसॉर्ट के खुले प्रांगण में कोरिया के प्रसिद्ध खेल जोक्गु की झलक देखी जा सकती है। जोक्गु खेल में नेट को टेनिस के समान कम ऊंचाई पर बनाया जाता है। लेकिन रिसॉर्ट चलाने वाले ली जुन सियो ने कहा, "रैकेट के बजाय आपको अपने पैर से फुटबॉल के आकार की गेंद को मारना होगा।" सेओ का परिवार दस साल पहले दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल से पुणे आ गया था। सेओ का परिवार इस उम्मीद में यहां आया था कि यहां अवसर उपलब्ध होंगे, क्योंकि कई कोरियाई फैक्ट्रियां तालेगांव एमआईडीसी में आ रही थीं। जब यह परिवार पुणे पहुंचा। उस समय ली जुन सेओ केवल दस वर्ष की थी। उनके भाई-बहनों और उन्हें यहां के लोग बहुत पसंद आये। तालेगांव में बढ़ती कोरियाई संस्कृति पर नजर डाली। इस समय, ली जुन सेओ ने कहा, "कोरियाई लोग जल्दी से खुलते नहीं हैं। यदि आप और वे एक-दूसरे को नहीं जानते, तो वे जल्दी करीब नहीं आ सकेंगे। लेकिन भारत में ऐसा नहीं है। यहां तक कि अगर आप अजनबी भी हैं तो भी आपके साथ मित्रतापूर्ण सम्मान के साथ व्यवहार किया जाता है। अब जब मैं कोरिया जाता हूं, तो मुझे एहसास होता है कि वहां के लोगों के साथ तालमेल बिठाना कितना कठिन है। "एक भारतीय उससे बेहतर है।"

येरवडा में वाहनों की तोड़फोड़, युवक गिरफ्तार

पुणे. येरवडा के लक्ष्मी नगर इलाके में 12 ऑटोरिक्शा और दो दोपहिया वाहनों में तोड़फोड़ करने वाली सरिता को येरवडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह क्षेत्र जहां गुंडों ने वाहनों में तोड़फोड़ की। पुलिस ने उसे उसी इलाके में पकड़ लिया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सयाजी संभाजी डोलारे (उम्र 23, निवासी लक्ष्मी नगर, यरवदा) के रूप में हुई है। डोलारे ने 6 फरवरी की आधी रात को यरवदा के लक्ष्मी नगर इलाके में 12 ऑटो-रिक्शा और दो दोपहिया वाहनों में तोड़फोड़ की थी। इस क्षेत्र में एक जेसीबी मशीन की खिड़की पर पत्थर फेंका गया। वह तोड़फोड़ करके तितर-बितर होने की तैयारी कर रहा था। उसी समय एक निवासी ने उसे रोक लिया। दाओलारे ने अपने पास मौजूद धारदार हथियार से निवासी पर वार किया।

आज का राशिफल

मेष : आज मेष राशि वालों को सावधान रहना चाहिए। नौकरी में ध्यान से काम करें और बिजनेस में निर्णय सोच-समझ कर लें। मानसिक तनाव हो सकता है। यात्रा पर जाने का योग है।

वृषभ : आज वृषभ राशि वालों के लिए मुनाफे का दिन है। बिजनेस में मुनाफा हो सकता है, लेकिन खर्च कम करें। निवेश के लिए अच्छा दिन है और संपत्ति खरीदने का योग है। नौकरी में अच्छा रहेगा।

मिथुन : मिथुन राशि वालों के लिए भी मुनाफे वाला दिन है। बिजनेस में अच्छा मुनाफा हो सकता है। खर्च पर ध्यान दें और निवेश के लिए अच्छा समय है। वाहन चलाते समय सतर्क रहें।

कर्क : कर्क राशि वालों का दिन ठीक-ठाक रहेगा। बिजनेस में बिना सोचे-समझे निर्णय न लें। नौकरी में सराहना मिल सकती है। परिवार का साथ मिलेगा और यात्रा का भी योग है।

सिंह : सिंह राशि वालों का दिन मिलाजुला रहेगा। ऑफिस में जिम्मेदारी बढ़ सकती है। मन शांत रखें और रिश्तों को वक्त दें। सेहत भी अच्छी रहेगी।

कन्या : कन्या राशि वालों के लिए खास दिन है। डर पर काबू रखें और रुके काम पूरे होंगे। बिजनेस में मुनाफा होगा और परिवार का साथ मिलेगा। यात्रा का भी योग है।

तुला : तुला राशि वालों के लिए दिन खास रहेगा। दोस्तों से मुलाकात हो सकती है। बिजनेस और नौकरी में तरक्की होगी। सेहत का ध्यान रखें और वाहन चलाते समय सतर्क रहें।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों का दिन शानदार रहेगा। नौकरी में तरक्की हो सकती है। पैसों के लेन-देन से बचें और लव लाइफ में थोड़ा ध्यान दें। यात्रा का योग है।

धनु : धनु राशि वालों के लिए दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस से खुशखबरी मिल सकती है। लव लाइफ भी अच्छी रहेगी, लेकिन बहस से बचें। सेहत का ध्यान रखें।

मकर : मकर राशि वालों को मेहनत करनी होगी। मानसिक तनाव हो सकता है। बिजनेस में बड़ा निवेश न करें और टीम के साथ मिलकर काम करें। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ : कुंभ राशि वालों के लिए दिन अच्छा रहेगा। बिजनेस में मुनाफा होगा और आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। विद्यार्थी पढ़ाई पर ध्यान दें। सेहत में थोड़ी परेशानी हो सकती है।

मीन : मीन राशि वालों का दिन खास रहेगा। किसी की सोच को खुद पर हावी न होने दें। बिजनेस में नुकसान हो सकता है, तो निवेश से बचें। नौकरी में सराहना मिल सकती है। परिवार के साथ तालमेल रखें।

'मराठी स्कूल बंद करने का सवाल ही नहीं' | सीएम फडणवीस ने दिया आश्वासन

मुंबई.

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में मराठी भाषा और शिक्षा को संरक्षित करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है. उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में कोई भी मराठी स्कूल बंद नहीं किया जाएगा. रविवार को पत्रकारों से बातचीत में सीएम फडणवीस ने कहा,हमने लगातार निर्देश दिए हैं कि किसी भी मराठी स्कूल को बंद नहीं किया जाना चाहिए. इसके अलावा, हमने स्कूलों में मराठी पढ़ाना अनिवार्य कर दिया है, चाहे वह मराठी हो या हिंदी माध्यम का स्कूल.हम यह सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र विकसित कर रहे हैं कि इस निर्देश का सख्ती से पालन हो. महाराष्ट्र में जबरन धर्म परिवर्तन और 'लव जिहाद' की घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने चिंता व्यक्त की.

उन्होंने कहा कि ये मामले "बहुत गंभीर हैं और उन पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए." सीएम फडणवीस ने कहा, "सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने फैसले में लव जिहाद की वास्तविकता को स्वीकार किया है. महाराष्ट्र में भी ऐसे मामलों में बढ़ोतरी हो रही है. हालांकि, हमें यह समझना चाहिए कि दो अलग-अलग धर्मों के व्यक्तियों के बीच विवाह कोई गलत बात नहीं है, लेकिन झूठ बोलकर या गलत पहचान बताकर किया गया विवाह पूरी तरह गलत है." राज्य सरकार ने इस मुद्दे पर उचित कदम उठाने के लिए एक सात-सदस्यीय समिति का गठन किया है, जिसका नेतृत्व पुलिस महानिदेशक करेंगे. इस पैनल में महिला एवं बाल कल्याण, अल्पसंख्यक मामलों, कानून एवं न्यायपालिका, सामाजिक न्याय, विशेष सहायता और गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे. यह समिति अन्य राज्यों में लागू समान कानूनों की समीक्षा करेगी और जबरन धर्म परिवर्तन व लव जिहाद से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए कानूनी उपाय सुझाएगी. सीएम के इस निर्णय का केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले और कई भाजपा नेताओं ने स्वागत किया. उन्होंने इसे राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और सामाजिक न्याय की दिशा में एक मजबूत कदम बताया.

'ऑपरेशन टाइगर' पर उद्धव ठाकरे अलर्ट

सांसदों-विधायकों की बुलाई अलग-अलग बैठक

0मुंबई. महाराष्ट्र में हमेशा कुछ न कुछ सियासी हलचल बनी ही रहती है. इस समय राज्य में 'ऑपरेशन टाइगर' की जोरदार चर्चा है. 'ऑपरेशन टाइगर' के तहत एक के बाद एक उद्धव ठाकरे की पार्टी के नेता और पदाधिकारी उनका साथ छोड़ रहे हैं और एकनाथ शिंदे की शिवसेना का दामन थामते जा रहे हैं. शिवसेना (ठाकरे) पार्टी में जारी इस लीकेज और टूट पर रोक लगाने के लिए अब खुद उद्धव ठाकरे भी मैदान में उतरने जा रहे हैं.

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अगुवाई में ठाकरे गुट के सांसदों की

बैठक 20 फरवरी और इसके बाद विधायकों की बैठक 25 फरवरी को बुलाई गई है. माना जा रहा है कि पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे इस दौरान सांसदों और विधायकों का मार्गदर्शन भी करेंगे. उद्धव ठाकरे की ओर से यह बैठक तब बुलाई गई है जब पार्टी के पूर्व विधायक और कई पदाधिकारी लगातार ठाकरे का साथ छोड़ते जा रहे हैं. इससे पहले दिल्ली में जब संसद का बजट सत्र चल रहा था तब उद्धव ठाकरे के बेटे और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने राष्ट्रीय राजधानी में सांसदों की बैठक ली थी.

बजट सत्र के दौरान ऐसी कयासबाजी की जा रही थी कि कुछ सांसद उद्धव ठाकरे का साथ छोड़ देंगे और इसके लिए ऑपरेशन टाइगर जैसी चर्चा भी चल रही थी. पिछले हफ्ते पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को तब बड़ा झटका लगा जब कोंकण क्षेत्र के कद्दावर नेता और तीन बार के विधायक रहे राजन साल्वी एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना में शामिल हो गए. वह 2024 में रतापुर निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव हार गए थे.

25 को शिवसेना विधायकों की बैठक

मुंबई में अब पार्टी के सांसदों की बैठक के बाद 25 फरवरी को ठाकरे गुट के विधायकों की बैठक होगी. विधानसभा के आगामी बजट सत्र के मद्देनजर विधायकों की यह बैठक अहम मानी जा रही है. हालांकि माना जा रहा है कि आगामी बजट सत्र के दौरान इस बैठक में विपक्षी दल के नेता के नाम पर चर्चा होगी. सूत्रों ने बताया कि शिवसेना भवन में सांसदों को 20 और विधायकों को 25 फरवरी को बैठक में शामिल होने का आदेश दिया गया है.

जाहीर सुचना

मी श्रीमती पुजा प्रमोद अढाऊ रा. प्लॉट नं. ११५, शिव मंदिर समोर, बँक कॉलनी, भगवान नगर, पार्वती नगर, नागपूर. माझे पती सुधाकर वाघमारे यांचे दि. १३-०६-२०२० ला निधन झाले. त्यांचे नावे असलेली बजाज एव्हेंजर MH49 BF 2733, इंजीन नं. PDYCKM 14790, चेसीस नं. MD2A22EY9KCA 03017 आहे. मी पुजा प्रमोद अढाऊ कायदेशिर वारस असल्याने सदर गाडी माझे नावे हस्तांतरीत करण्यासाठी उप प्रा. परिवहन कार्यालय नागपूर शहर मध्ये पेपर सादर केले आहे. सदर वाहन बाबत जर कोणाचा उजर हक्क असेल तर ही नोटीस प्रसिध्द झाल्यापासून ७ (सात) दिवसांचे आत उप प्रा. परिवहन कार्यालय नागपूर येथे व खालील पत्त्यावर संपर्क करावा अन्यथा आपल्या कोणचीही तक्रार नाही असे गृहीत धरून सदर वाहन माझ्या नावाने हस्तांतर केले जाईल याची नोंद घ्यावी.

श्रीमती पुजा प्रमोद अढाऊ
प्लॉट नं. ११५, शिव मंदिर समोर, बँक कॉलनी, भगवाननगर, पार्वतीनगर, नागपूर
मो. 9226518454

जाहीर सुचना

कोर्ट विद्यमान ६ वे सह दिवाणी न्यायाधीश वरिष्ठ स्तर, नागपूर

नियमित दिवाणी दावा क्र. ७४७/२०२४
रूम नं ४१६ पे. ता. २७/०३/२०२५

वादी: १. सुरेखा योगिराज मेंढे, रा. प्लॉट न. ३६६१, जुना बिडिपेठ, बुध विहाराजवळ, नागपूर २४. **विरुद्ध**
प्रतीवादी: १. स्टेट ऑफ महाराष्ट्र तर्फे जिल्हाधिकारी, जिल्हाधिकारी कार्यालय, सिव्हील लाईन, नागपूर
२. योगिराज गणपतराव मेंढे, रा. प्लॉट न. ३६६१, जुना बिडिपेठ, बुद्ध विहाराजवळ, नागपूर २४.

Missing व्यक्ती: योगिराज गणपतराव मेंढे (Missing dtd. October 2005) रा. प्लॉट न. ३६६१, जुना बिडिपेठ, बुद्ध विहाराजवळ, नागपूर २४.

ज्याअर्थी उपरोक्त योगिराज गणपतराव मेंढे (Missing dtd. October 2005) रा. प्लॉट न. ३६६१, जुना बिडिपेठ, बुद्ध विहाराजवळ, नागपूर २४ हा बेपत्ता आहे. तो दि. ऑक्टोबर २००५, पासून बेपत्ता झाला व त्यानंतर तो जिवंत किंवा मृत असल्याबद्दल त्याच्याविषयी कोणतीही माहिती उपरोक्त वादीस नसल्याचे वादींनी आपल्या दाव्यात नमुद केलेले आहे. सबब सदर योगिराज गणपतराव मेंढे तो अंदाजे २० वर्षापासून बेपत्ता असून तो मृत झाल्याचे घोषीत करण्यासाठी व वादी हे त्यांचे कायदेशीर वारस असल्याचे घोषीत करण्यासाठी उपरोक्त वादीने या न्यायालयात दावा दाखल केलेला आहे त्याअर्थी या जाहीर सूचनेद्वारे **योगिराज गणपतराव मेंढे** यांचे सर्व नातेवाईकांना, संबंधीतांना व आम जनतेस सुचित करण्यात येते की, त्यांचेबद्दल कोणत्याही व्यक्तीस, तो जिवंत असल्याबद्दल किंवा मृत झाल्याबद्दल कोणतीही माहिती असल्यास किंवा वादी हे त्यांचे कायदेशीर वारस असल्याबाबत काही आक्षेप, हरकत असल्यास अश्या व्यक्तींनी अशी माहिती किंवा हरकत या न्यायालयात दिनांक २७/०३/२०२५ रोजी किंवा त्यापूर्वी सादर करावी. नेमूत दिलेल्या तारखेस अश्या प्रकारची कोणतीही माहिती किंवा हरकती या न्यायालयात उपस्थित न झाल्यास उपरोक्त दाव्याची एकतर्फी सुनावणी 4 करण्यात येईल आज दिनांक १५/०२/२०२५ रोजी माझ्या सहीने व न्यायालयाच्या शिक्यानिशी दिला.

Pro. No. 2687
date 15 feb 2025

शिक्का

आदेशानुसार
सहा. अधिक्षक
दिवाणी न्यायालय वरीष्ठ स्तर. नागपूर

सुविचार

अहंकार के बंगले में कभी मत जाना और मानवता की झोपड़ी में जाने में कभी शर्म नहीं करना।

संपादकीय

देर आए, दुरुस्त आए

❐ लंबे इंतजार के बाद आखिर कांग्रेस नेतृत्व ने संगठन में फेरबदल की कवायद को गति दी है। महाराष्ट्र में प्रदेश अध्यक्ष और विधायक दल के नेता के नामों का ऐलान हुआ, फिर दो महासचिवों सहित 13 राज्यों व चार केंद्र शासित क्षेत्रों के प्रभारियों की भी नियुक्ति की गई। इस पहल ने बेशक पार्टी में उम्मीद पैदा की है, हालांकि इससे कई सवाल भी जुड़े हुए हैं। 2022 में हुए पार्टी के उदयपुर अधिवेशन के बाद संगठन में बड़े बदलाव लाने वाले फैसलों का इंतजार हो रहा था, लेकिन एक के बाद एक कई कारणों से यह कार्य टलता जा रहा था। आखिरकार तय किया गया कि साल 2025 में उदयपुर अधिवेशन में पारित प्रस्तावों पर अमल किया जाएगा। मल्लिकार्जुन खरगे के बतौर अध्यक्ष कार्यभार संभालने के बाद इसकी भूमिका भी तैयार हो चुकी थी। इसलिए अब माना जा रहा है कि इस पहल को इसकी तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाएगा। पिछले कुछ चुनावों में भले ही कांग्रेस को अपेक्षित चुनावी सफलता नहीं मिली, लेकिन राहुल गांधी की अगुआई में तय किए गए अजेंडे में एकरूपता रही है। खासकर, जाति जनगणना और दलितों-पिछड़ों व अनुसूचित जनजातियों की विभिन्न क्षेत्रों में कम नुमाइंदगी से जुड़े सवालों पर पार्टी का जोर लगातार बना रहा। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक था कि खुद कांग्रेस पार्टी इस मामले में क्यों पीछे खड़ी दिख रही है। इस लिहाज से यह महत्वपूर्ण है कि नए बदलावों के बाद अब पार्टी की सीनियर लीडरशिप का 70-75% हिस्सा ओबीसी, एसटी-एसटी और माइनॉरिटी तबकों से आता है। लेकिन राजनीति में नुमाइंदगी के सवाल के साथ भी व्यावहारिकता की शर्त जुड़ी होती है। जाहिर है, ताजा नियुक्तियों को भी व्यावहारिकता की कसौटी पर खरा उतरना होगा। जैसा कि महाराष्ट्र में प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर हर्षवर्धन सपकाल के रूप में अपेक्षाकृत नया नाम देखकर शुरू हुए विवाद से भी स्पष्ट होता है। वहां कई बड़े नेता इस चयन पर आश्चर्य जता रहे हैं। हालांकि इसी वजह से नए अध्यक्ष के परफॉरमेंस को लेकर कोई राय बना लेना ठीक नहीं होगा। उनके पास वक्त है और देखना होगा कि वह इसका कैसा इस्तेमाल करते हैं। विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में कांग्रेस पर यह दायित्व है कि वह अपनी कमजोरियों को दूर कर लोगों के सामने ऐसा विकल्प पेश करे, जिससे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और मजबूत हो।

छत्रपति संभाजी राजे भोसले

छत्रपती संभाजी महाराज (संभाजीराजे शिवाजीराजे भोसले) (1657-1689) मराठा साम्राज्य के द्वितीय छत्रपति राजा, लेखक, विचारक और छत्रपती शिवाजी महाराज के उत्तराधिकारी थे। बीजापुर और गोलकुण्डा का शासन हिन्दुस्तान से समाप्त करने में शंभाजी राजे की प्रमुख भूमिका रही। संभाजी राजे अपनी वीरता और विद्वत्ता लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने 14 वर्ष की आयु में हिंदू शास्त्रों तथा संस्कृत और मराठी भाषाओं में अच्छी पकड़ हासिल कर उत्कृष्ट साहित्य सर्जन किया था। मुगल राजा औरंगज़ेब के साथ उनका संघर्ष इतिहासप्रसिद्ध है। संभाजीराजे ने अपने कम समय के शासन काल में 210 युद्ध किये और इसमे एक प्रमुख बात ये थी कि उनकी सेना एक भी युद्ध में पराभूत नहीं हुई। उनके पराक्रम की वजह से परेशान हो कर औरंगज़ेब ने कसम खायी थी के जब तक छत्रपती संभाजीराजे पकड़े नहीं जायेंगे, वो अपना किमोंश सर पर नहीं चढ़ाएगा। 11 मार्च 1689 को औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज की बड़ी क्रूरता के साथ हत्या कर दी। संभाजी का जन्म 1657 में शिवाजी और उनकी पहली पत्नी सईबाई के घर हुआ था। उन्हें कम उम्र से ही युद्ध कला में प्रशिक्षित किया गया था और वे अपनी बहादुरी और सैन्य कौशल के लिए जाने जाते थे। 1680 में शिवाजी की मृत्यु के बाद, संभाजी मराठा साम्राज्य की गद्दी पर बैठे, जो मुगल प्रभुत्व का विरोध कर रहा था। [उद्धरण वांछित] 1681 की पहली छमाही में, कई मुगल टुकड़ियों को वर्तमान गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में मराठा किलों की घेराबंदी करने के लिए भेजा गया था। उस समय मुगल साम्राज्य सम्राट और उसके बेटे के बीच तनाव का अनुभव कर रहा था। मराठा छत्रपति संभाजी ने मुगल सम्राट औरंगजेब के विद्रोही बेटे सुल्तान मुहम्मद अकबर को शरण दी, जिससे उनके पिता नाराज हो गए। 8 सितंबर 1681 को, मेवाड़ के शाही घराने के साथ विवाद सुलझाने के बाद, औरंगजेब ने मराठा भूमि, साथ ही बीजापुर और गोलकुंडा की सल्तनत को जीतने के लिए दक्कन की यात्रा शुरू की।

वह दक्कन में मुगल मुख्यालय औरंगाबाद पहुंचे और इसे अपनी राजधानी बनाया। इस क्षेत्र में मुगल टुकड़ियों की संख्या लगभग 500,000 थी।यह सभी अर्थों में एक असंगत युद्ध था। 1681 के अंत तक, मुगल सेना ने फोर्ट रामसेज की घेराबंदी कर ली थी। लेकिन मराठों ने इस हमले के आगे घुटने नहीं टेके। मराठों ने हमले के खिलाफ तैयारी की और बचाव किया, और मुगलों को किला लेने में सात साल लग गए। दिसंबर 1681 इसी समय औरंगजेब के सेनापतियों में से एक हुसैन अली खान ने उत्तरी कोंकण पर हमला किया। संभाजी ने जंजीरा छोड़ दिया और हुसैन अली खान पर हमला कर दिया और उसे अहमदनगर वापस धकेल दिया। औरंगजेब ने पुर्तगालियों के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने की कोशिश की ताकि व्यापारिक जहाजों को गोवा में बंदरगाह बनाने की अनुमति मिल सके। इससे उसे समुद्र के रास्ते डेक्कन के लिए एक और आपूर्ति मार्ग खोलने की अनुमति मिल जाती। यह खबर संभाजी तक पहुँची। उन्होंने पुर्तगाली क्षेत्रों पर हमला किया और उन्हें गोवा तट पर वापस जाने पर मजबूर कर दिया, लेकिन अलवर का वायसराय पुर्तगाली मुख्यालय की रक्षा करने में सक्षम था। इस समय तक विशाल मुगल सेना डेक्कन की सीमाओं पर इकट्ठा होने लगी थी। यह स्पष्ट था कि दक्षिणी भारत एक बड़े, निरंतर संघर्ष की ओर बढ़ रहा था। 1683 के अंत में औरंगजेब अहमदनगर चला गया। उसने अपनी सेना को दो भागों में विभाजित किया और अपने दो राजकुमारों, शाह आलम और आज़म शाह को प्रत्येक डिवीजन का प्रभारी बनाया। शाह आलम को कर्नाटक सीमा के माध्यम से दक्षिण कोंकण पर हमला करने का आदेश दिया गया था, जबकि आज़म शाह खानदेश और उत्तरी मराठा क्षेत्र पर हमला करेगा। एक पिंसर रणनीति का उपयोग करते हुए, इन दो डिवीजनों ने मराठों को अलग-थलग करने के लिए दक्षिण और उत्तर से उन्हें घेरने की योजना बनाई।

शुरुआत काफी अच्छी रही। शाह आलम ने कृष्णा नदी पार की और बेलगाम में प्रवेश किया। वहां से वह गोवा में दाखिल हुआ और कोंकण के रास्ते उत्तर की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। जैसे-जैसे वह आगे बढ़ा, उसे मराठा सेना द्वारा लगातार परेशान किया गया, जिसने उसकी आपूर्ति श्रृंखलाओं को लूट लिया और उसकी सेना को भुखमरी की स्थिति में पहुंचा दिया। अंत में औरंगजेब ने रुहुल्ला खान को उसके बचाव के लिए भेजा और उसे अहमदनगर वापस लाया। इसलिए पहला पिंसर प्रयास विफल रहा। 1684 के मानसून के बाद, औरंगजेब के दूसरे सेनापति शाहबुद्दीन खान ने मराठा राजधानी रायगढ़ पर सीधा हमला किया। मराठा कमांडरों ने सफलतापूर्वक रायगढ़ का बचाव किया। औरंगजेब ने खान जहान को मदद के लिए भेजा, लेकिन मराठा सेना के कमांडर-इन-चीफ हंबीराव मोहिते ने पाटडी में एक भीषण युद्ध में उसे हरा दिया। मराठा सेना की दूसरी टुकड़ी ने पचड़ में शाहबुद्दीन खान पर हमला किया, जिससे मुगल सेना को भारी नुकसान हुआ। 1685 की शुरुआत में, शाह आलम ने गोकक-धारवाड़ मार्ग से दक्षिण पर फिर से हमला किया, लेकिन संभाजी की सेना ने रास्ते में उन्हें लगातार परेशान किया और आखिरकार उन्हें हार माननी पड़ी और इस तरह वे दूसरी बार घेरा बंद करने में विफल रहे। अप्रैल 1685 में, औरंगजेब ने अपनी रणनीति बदली। उसने गोलकुंडा और बीजापुर के मुस्लिम राज्यों पर अभियान चलाकर दक्षिण में अपनी शक्ति को मजबूत करने की योजना बनाई। ये दोनों ही मराठों के सहयोगी थे और औरंगजेब उन्हें नापसंद करता था। उसने दोनों राज्यों के साथ अपनी संधियां तोड़ दीं, उन पर हमला किया और सितंबर 1686 तक उन पर कब्जा कर लिया। [उद्धरण वांछित] जब वह उनके साथ युद्ध में था, मराठों ने जवाबी हमला करने का अवसर देखा और उत्तरी तट पर आक्रमण किया और भरूच पर हमला किया। सरदार केसोपंत पिंगले बातचीत चला रहे थे, लेकिन बीजापुर के मुगलों के हाथों में चले जाने से स्थिति बदल गई और मैसूर मराठों से जुड़ने के लिए अनिच्छुक हो गया। संभाजी ने बीजापुर के कई सरदारों को मराठा सेना में शामिल होने के लिए सफलतापूर्वक मना लिया। संभाजी ने लड़ाई का नेतृत्व किया लेकिन मुगलों ने उन्हें पकड़ लिया और मार डाला। उनकी पत्नी और बेटे (शिवाजी के पोते) को औरंगजेब ने बीस साल तक बंदी बनाकर रखा।

मराठा साम्राज्य के दूसरे छत्रपति

शंभाजी महाराज का जन्म 14 मई 1657 ई. को पुरंदर के किले में । वे महान छत्रपति शिवाजी महाराज और उनकी पहली पत्नी सईबाई के पुत्र थे। जब वे ढाई साल के थे, तब उनकी मां का निधन हो गया। मां की मृत्यु के बाद शंभुराजे का पालन पोषण उनकी दादी जीजाबाई ने किया।संभाजी राजे न केवल अपनी दादी के करीब थे, बल्कि वे अपने दादा शाहजी महाराज के भी करीब थे। जीजाबाई ने अपने पुत्र शिवाजी की तरह ही पोते शंभाजी में भी राष्ट्रप्रेम, धर्मप्रेम, हिन्दवी स्वराज, देव-देश-धर्म ओर आदर्श जीवन मूल्यों को स्थापित किया। इसके अलावा उन्होंने गणित,तर्क,भूगोल, इतिहास, पुराण, रामायण, व्याकरण आदि का ज्ञान काशीराम शास्त्री से अर्जित किया, पिता शिवाजी ने उन्हें शारीरिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने अपने उम्र के केवल 14 साल में उन्होंने बधभूषण, नखशिख, नायिकाभेद तथा सातशातक यह तीन संस्कृत ग्रन्थ लिखे थे, जो उनकी प्रखर विद्वत्ता का परिचय है। शिवाजी महाराज के सबसे बड़े पुत्र होने के नाते, संभाजी अपने पिता द्वारा हिन्दवी स्वराज के निर्माण के लिए किए गए प्रयासों को देखते हुए बड़े हुए। मराठा साम्राज्य के राजकुमार के रूप में, संभाजी ने एक से अधिक अवसरों पर अपनी बहादुरी और सैन्य प्रतिभा साबित की। उन्होंने 16 साल की उम्र में रामनगर में अपना पहला युद्ध लड़ा और जीता और 1675-76 के दौरान उन्होंने गोवा और कर्नाटक में सफल अभियानों का नेतृत्व किया।

वास्तुशास्त्र

श्रीयंत्र से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह

❍ हर व्यक्ति देवी लक्ष्मी की कृपा पाना चाहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार देवी लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए घर में श्रीयंत्र रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में श्रीयंत्र रखने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। जब घर की ऊर्जा सकारात्मक होगी, तभी आपके जीवन में खुशहाली आएगी। घर में श्रीयंत्र रखने से पहले आपको श्रीयंत्र को स्थापित करने के नियम जरूर जान लेने चाहिए। आइए, जानते हैं माता लक्ष्मी से जुड़ा यंत्र श्रीयंत्र की स्थापना विधि और विशेष नियम। श्रीयंत्र त्रिभुज और वृत्तों से बनी एक खास आकृति है। यह मां लक्ष्मी और ब्रह्मांडीय ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इससे धन-संपत्ति आती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। श्रीयंत्र में त्रिभुज और वृत्त होते हैं। यह धन की देवी लक्ष्मी और ब्रह्मांड की ऊर्जा का प्रतीक है। लोग मानते हैं कि इससे आपके जीवन में धन आगमन होता है और बुरी ऊर्जा चली जाती है। आपके जीवन में अगर घन हानि हो रही हो, तो आपको घर में श्रीयंत्र की स्थापना जरूर करनी चाहिए। श्रीयंत्र की स्थापना करने के लिए पूजा घर को विशेष रूप से उत्तम समझा जाता है। इसके अलावा श्रीयंत्र को तिजोरी के पास भी स्थापित कर सकते हैं लेकिन याद रखें कि अगर आप तिजोरी के पास श्रीयंत्र की स्थापना कर रहे हैं, तो इस जगह को हमेशा साफ रखें। यहां धूल-मिट्टी नहीं होनी चाहिए। श्रीयंत्र की स्थापना करने के लिए शुक्रवार का दिन विशेष माना जाता है क्योंकि शुक्रवार का दिन माता लक्ष्मी से जुड़ा होता है। साथ ही शुक्रवार का दिन धन और वैभव के ग्रह शुक्र देव का भी होता है, इसलिए धन या वैभव से जुड़ी चीजों की स्थापना करने के लिए शुक्रवार का दिन विशेष है। आप अगर श्रीयंत्र की स्थापना करना चाहते हैं, तो सबसे पहले श्रीयंत्र को सबसे पहले कच्चे दूध से धोएं। इसके बाद गंगाजल से श्रीयंत्र को पूरी तरह से साफ कर लें। इसके बाद श्रीयंत्र को स्थापित करते हुए 'ऊं श्रीं ह्रीं क्लीं श्री सिद्ध लक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जाप करें। यह मंत्र वैभव लक्ष्मी का मंत्र है। इसके बाद श्रीयंत्र के सामने दीपक जलाएं और फूल और चावल अर्पित करें।

शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक में यौन रोग (सेक्स समस्या) पर सफल इलाज

सीताबर्डी टेम्पल बाजार स्थित शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक में यौन रोग एवं सेक्स संबंधित सभी समस्याओं पर प्रभावकारी एवं सफल इलाज किया जाता है। रोज की जिंदगी में यौन समस्याएं जैसे शीघ्रपतन बांझपन इत्यादि, के कारण सामाजिक एवं वैवाहिक जीवन में अनेक समस्याओं का सामना करना तथा वैवाहिक कलह, मनमुटाव आदी का भी सामना करना पडता है। अतः इन समस्याओं का शीघ्र समाधान होना आवश्यक है। रोज की भागदौड़ के जीवन में टेंशन, अनिद्रा इनक्षकारणों तथा खानपान में पोषक तत्वों के अभाव या असमय खाना पीना इन कारणों से यह समस्या उत्पन्न होती है। इसका इलाज समोपचार औषधी चिकित्सा से संभव है। महाशक्ति कवच, रे-टोन सिरप, कप नाईट पावर इन दवाओं से इन समस्याओं का समाधान आयुर्वेदिक एजेंसी सिताबर्डी, टेम्पल बाजार रोड नागपुर में सफलतापूर्वक किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए 9112079000 / 8605245080 फोन पर संपर्क करे और आयुर्वेदिक चिकित्सा का लाभ उठाकर अपनी समस्याओं का समाधान पाकर खुशहाल जीवन व्यतीत करे.

शिवशंकर आयुर्वेद एजन्सी

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में 9112079000 / 8605245080 इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें.

भीड़ का तंत्र और तंत्र की विफलता

कमलेश सिंह

❐ मॉब यानी कि भीड़. लैटिन भाषा के जिस शब्द से मॉब बना है वो है मोबाइल वुलगुस. इस लैटिन वाक्यांश में मॉब का मतलब क्राउड या भीड़ नहीं होता है. बल्कि वल्गस का मतलब भीड़ है. 'मोब' का अर्थ है गतिशील, परिवर्तनशील अथवा चंचल. मानिए कि भीड़ में कुछ असभ्यता या कहें कि अश्लीलता होती है, खासकर तब, जब वह अपने शरीर अथवा दिल की सुनने लगती है. ये अचानक आने वाली बाढ़ का इंसानी रुपांतरण है. केवल इतना अंतर है कि इसमें पानी के स्थान पर संदिग्ध निर्णय क्षमता की बाढ़ होती है इसमें और पर्सनल स्पेस और एजेंसी का स्पष्ट अभाव होता है. गुरुवार की रात को दिल्ली मेट्रो के एक स्टेशन पर अचानक भारी भीड़ देखी गई. शब-ए-बारात "मना रहे" लोगों ने वहां सीन ही क्रिएट कर दिया. शब-ए-बारात को पवित्र प्रार्थनाओं की रात माना जाता है, लेकिन जब आस्था "मोबाइल वल्गस" से मिलती है, तो चीजें असभ्य मोड़ ले लेती हैं. सोशल मीडिया पर हलचल के अलावा उस रात कुछ भी अनहोनी नहीं हुई. लेकिन दो रात बाद दिल्ली उस रोज जैसी भाग्यशाली नहीं रही. नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर आखिर एक त्रासदी ने दस्तक दी. कुंभ स्नान की सदिच्छा में 'इंसानों का समंदर' प्रयागराज जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रहा था. प्लेटफॉर्म बदलने की घोषणा ने उस 'समंदर' में सुनामी ला दी. आस्था, भाग्य और बहुत सारे उन्मत्त लोगों की टांगें. अठारह लोग मारे गए और कई घायल हो गए. मानवता, "मोबाइल वल्गस" के खुरों के नीचे कराहती हुई दबती रही. मधुबनी, आरा, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर और बिहार की दूसरी जगहों पर आस्था के प्रवाह से सराबोर और संख्याबल में मजबूत लोगों ने तय किया कि ट्रेनों में तोड़फोड़ और यात्रियों पर हमला अपने आध्यात्मिक जोश को व्यक्त करने का एक बिल्कुल उचित तरीका है.माफ कीजिए, क्या यह मोक्ष की सीधी ट्रेन है? हां-हां, यही है, हट जाओ, नश्वर प्राणी!" हजारों लोग स्टेशनों पर उतर आए, साथी यात्रियों को खौफजदा करते हुए, ट्रेन की खिड़कियां तोड़ते हुए और टिकट लेकर यात्रा कर रहे लोगों को कोने में धकेलते हुए. दुनिया में सबसे ज़्यादा आबादी वाला देश होने के कारण भारत भीड़-भाड़ वाला देश है. जब भी आप सरकार की एजेंसियों द्वारा भीड़ को तमीज सिखाने वाली तरीके लागू करते हुए देखते हैं तो भगवान पर आपका भरोसा फिर से जाग उठता है. बेस्ट होने के बावजूद ये तरीके बुनियादी हैं. हालांकि ब्यूरोक्रेट के ये कामचलाऊ इंतजाम बताते हैं कि उनका भरोसा पूरी तरह से ऊपर वाले पर है. और साथ-साथ किस्मत की एक तगड़ी खुराक पर भी. 'क्राउड' और 'मॉब' के बीच अंतर हलचल का है. जब ये हलचल सिर्फ शरीर में होती है तो आपको प्रयागराज में पिछले महीने जो हुआ था और हर 12 बरस बाद होने वाले कुंभ की शुरुआत के बाद से प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में जो हो रहा है, वही मिलता है।

कथा

साहूकार को मिला संतान प्राप्ति का वरदान

❍ एक बार किसी एक नगर में एक साहूकार था। उसके घर में धन की कोई कमी नहीं थी लेकिन कोई संतान न होने के कारण वह बहुत दुखी था। संतान प्राप्ति के लिए वह हर सोमवार को व्रत रखता था और पूरी श्रद्धा के साथ शिव मंदिर जाकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करता था। उसकी भक्ति देखकर एक दिन मां पार्वती प्रसन्न होकर भगवान शिव से साहूकार की मनोकामना पूर्ण करने का निवेदन किया। पार्वती जी के आग्रह पर भगवान शिव ने कहा कि 'हे पार्वती, इस संसार में हर प्राणी को उसके कर्मों का फल मिलता है और जिसके भाग्य में जो हो उसे भोगना ही पड़ता है' लेकिन पार्वती जी ने साहूकार की भक्ति देखकर उसकी मनोकामना पूर्ण करने की इच्छा व्यक्त की। माता पार्वती के आग्रह पर शिवजी ने साहूकार को पुत्र-प्राप्ति का वरदान तो दिया लेकिन उन्होंने बताया कि यह बालक 12 वर्ष तक ही जीवित रहेगा।

माता पार्वती और भगवान शिव की बातचीत को साहूकार सुन रहा था, इसलिए उसे ना तो इस बात की खुशी थी और ना ही दुख। वह पहले की भांति शिवजी की पूजा करता रहा। कुछ समय के बाद साहूकार की पत्नी ने एक पुत्र को जन्म दिया। जब वह बालक ग्यारह वर्ष का हुआ तो उसे पढ़ने के लिए काशी भेज दिया गया। साहूकार ने पुत्र के मामा को बुलाकर उसे बहुत सारा धन देते हुए कहा कि तुम इस बालक को काशी विद्या प्राप्ति के लिए ले जाओ। तुम लोग रास्ते में यज्ञ कराते जाना और ब्राह्मणों को भोजन-दक्षिणा देते हुए जाना।

दोनों मामा-भांजे इसी तरह यज्ञ कराते और ब्राह्मणों को दान-दक्षिणा देते काशी नगरी निकल पड़े। इस दौरान रात में एक नगर पड़ा जहां नगर के राजा की कन्या का विवाह था, लेकिन जिस राजकुमार से उसका विवाह होने वाला था वह एक आंख से काना था। राजकुमार के पिता ने अपने पुत्र के काना होने की बात को छुपाने के लिए सोचा क्यों न उसने साहूकार के पुत्र को दूल्हा बनाकर राजकुमारी से विवाह करा दूं। विवाह के बाद इसको धन देकर विदा कर दूंगा और राजकुमारी को अपने नगर ले जाऊंगा। लड़के को दूल्हे के वस्त्र पहनाकर राजकुमारी से विवाह करा दिया गया।

साहूकार का पुत्र ईमानदार था। उसे यह बात सही नहीं लगी इसलिए उसने अवसर पाकर राजकुमारी के दुपट्टे पर लिखा कि 'तुम्हारा विवाह तो मेरे साथ हुआ है लेकिन जिस राजकुमार के संग तुम्हें भेजा जाएगा वह एक आंख से काना है। मैं तो काशी पढ़ने जा रहा हूं।' जब राजकुमारी ने चुन्नी पर लिखी बातें पढ़ी तो उसने अपने माता-पिता को यह बात बताई। राजा ने अपनी पुत्री को विदा नहीं किया फिर बारात वापस चली गई। दूसरी ओर साहूकार का लड़का और उसका मामा काशी पहुंचे और वहां जाकर उन्होंने यज्ञ किया। जिस दिन लड़का 12 साल का हुआ उस दिन भी यज्ञ का आयोजन था लड़के ने अपने मामा से कहा कि मेरी तबीयत कुछ ठीक नहीं है। मामा ने कहा कि तुम अंदर जाकर आराम कर लो। शिवजी के वरदानुसार कुछ ही देर में उस बालक के प्राण निकल गए। मृत भांजे को देख उसके मामा ने विलाप करना शुरू किया। संयोगवश उसी समय शिवजी और माता पार्वती उधर से जा रहे थे। पार्वती माता ने भोलेनाथ से कहा- स्वामी, मुझे इसके रोने के स्वर सहन नहीं हो रहा, आप इस व्यक्ति के कष्ट को अवश्य दूर करें।

आलेख

गोवर्धन यादव

आसमान में उड़ती परियां

बच्चों, आपने कभी आसमान में उड़ती हुई परियों को देखा है? प्रश्न सुनते ही आप कह उठेंगे कि परियां-वरियां नाम की कोई चीज होती ही नहीं है. या फ़िर यह कहेंगे कि किसी सीरियल में, हमने उसे आसमान से उतरते देखा है. उसके हाथ में एक जादू की छड़ी होती है और वह पलक झपकते ही कहानी के हीरो की मदद करती है, अथवा उसके लिए कोई उपहार लेकर आती है. वह मुस्कुराते हुए प्रकट है और फ़िर गायब भी हो जाती है. यह बात सच है कि अब तक कोई परी देखी नहीं गई है. परी होने की कल्पना भर की गई है. मेरा अपना मत है कि आकाश में उड़ती सुन्दर सी किसी तितली को देखकर, परी होने की कल्पना की गई होगी. हम जिस परी की बात करने जा रहे हैं, वह किसी खूबसूरत परी से कम नहीं है. उस परी का नाम है-रंग-बिरंगी तितलियाँ. ये तितलियां, हवा में बलखाती-उड़ती हुई कभी इस डाल पर, तो कभी उस डाल पर, खिले सुवासित फ़ूलों पर जा बैठती है और उसका रस पीकर उड़ जाती है.

वातावरण में लगातार आ रहे बदलाव तथा कीटनाशक दवाओं के प्रयोग के चलते यह खूबसूरत जीव दुनिया के पटल से लगभग गायब हो रहा है. अन्यथा बारिश की पहली फ़ुवार के साथ, आप अनेक प्रकार की रंगबिरंगी तितलियों को, हवा में तैरती देख सकते थे. खैर न अब वे दिन है और न तितलियां. पर जो भी है, वे गजब की हैं. हवा में मटकते इन जीवों के पंखों से तो नजरें हटाये नहीं हटती. बड़ा गजब का चुंबकीय आकर्षण होता है इनके परों में. प्रकृति ने पूरे मनोयोग से -,बड़े सलीके से, धैर्यपूर्वक इनके पंखों पर चित्रकारी की है .उनके पंखों पर कहीं एक-एक आँख बनी है, तो कहीं दो या फ़िर इससे भी ज्यादा. तितलियों के परों पर बनी इन्हीं आँखों के आधार पर इनके नाम रखे गए हैं. केसरिया रंग की तितली पर बनी, दो बड़ी-बड़ी आँखें देखकर उसको नाम दे दिया गया- पीकाक पेंसी, नीली तितली को नाम दिया गया "ब्लू पेंसी,", किसी को कामन लाइम, किसी को टेल्ड या काली तितली को कामन-क्रो आदि-आदि.

हजारों प्रकार की तितलियां पाई जाती है, जिनके नाम रखने में कई परेशानियां खड़ी हो सकती है. तितलियों का नामकरण शायद हमने नहीं किया. जो भी नाम मिलते हैं,वे सब अंग्रेजी में ही मिलते हैं. स्पष्ट है कि हमने कभी भी इस बात को लेकर गंभीरता से नहीं सोचा. बस तितली देखकर खुश होते रहे, जबकि पश्चिम के लोगों ने,इन नन्हे जीवों के प्रति अपनी दिलचस्पी दिखलायी, उनके जीवन-चक्र के बारे में पूरी जानकारियां इकट्ठी की, इनके नाम रखे और इनके संरक्षण के लिए उपाय खोजे और उनके संग्रहालय तक बना डाले. फ़्लोरिडा म्युजियम के नाम से विख्यात एक संग्रहालय है. इसके साथ ही इंगलैंड सहित करीब बत्तीस देशों ने इस नन्हें जीवों के लिए वर्षावन आदि बनाए,जहां यह जीव पलता-बढ़ता और अंत में म्युजियम में सुरक्षित रख दिया जाता है.

आशीष कुमार त्रिवेदी

खुशियों का खजाना

बात तकरीबन बीस वर्ष पुरानी है। यह मोहल्ला लोअर मिडिल क्लास लोगों का था। जिनकी आमदनी छोटी किन्तु ख्वाहिशें बड़ी थीं। मोहल्ले में एक चीज़ की चर्चा बड़े ज़ोरों पर थी। 'सबरीना ट्रेडर्स' जिसका नारा था 'खुशियाँ अब आपके बजट में' सभी बस इसी विषय में बात रहे थे। सबरीना ट्रेडर्स सभी को आधी कीमत पर उनकी ज़रुरत का सामान जैसे टी .वी . फ्रिज सोफा टू -इन -वन इत्यादि दिलाने का वादा कर रहे थे। बस शर्त यह थी की सामन की 15 दिन पहले एडवांस बुकिंग करानी होगी और पूरे पैसे बुकिंग के समय ही देने होंगे। पहले तो लोग झिझक रहे थे किन्तु वर्मा जो कुछ ही दिन पूर्व मोहल्ले में रहने आया था ने पहल की और सामन की बुकिंग कराई। 15 दिन बाद उसका घर सामन से भर गया। वह औरों को अपना उदाहरण देकर सामान की बुकिंग कराने के लिए प्रेरित करने लगा। उससे प्रेरणा पाकर कुछ और लोगों ने भी हिम्मत दिखाई और उनका घर भी मनचाहे सामान से भर गया। अब तो बात जंगल की आग की तरह फ़ैल गयी। सबरीना ट्रेडर्स के दफ्तर में बुकिंग कराने वालों का तांता लग गया। दूर दूर से लोग बुकिंग कराने आने लगे। बात जमुना चाची तक भी पहुंची। वो अपनी बेटी के दहेज़ का सामन जुटा रही थीं। उन्होंने सोचा वो भी क्यों न इस अवसर का लाभ उठायें। आधी कीमत पर सामान मिलेगा तो दहेज़ बढ़ जाएगा। दहेज़ अधिक होने से उनकी बेटी का ससुराल में सम्मान भी बढेगा। अतः वह भी जाकर बुकिंग करवा आईं। सभी 15 दिन पूरे होने की प्रतीक्षा करने लगे। कुछ लोग तो रोज़ ही हाल चाल लेने के लिए वहाँ का एक चक्कर लगा लेते थे। जमुना चाची अक्सर मन ही मन में बेटी की विदाई के दिन का चित्र बनातीं ' घर का आँगन दहेज़ सामन से भरा है और सब उनकी भूरि भूरि प्रशंसा कर रहे हैं।' वो सामान की डिलीवरी लेने को उतावली हो जाती थीं।रविवार था। अतः सभी इत्मीनान से काम कर रहे थे। कुछ लोग रोज़ की तरह टहलते हुए सबरीना ट्रेडर्स के दफ्तर पहुँच गए।

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, मंगलवार, 18 फरवरी 2025

श्री माता महाकाली खेल महोत्सव से उत्कृष्ट खिलाड़ी की सौगात: विधायक जोरगेवार

चंद्रपुर, सुनील तायडे

> खुटाला में राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता संपन्न, > नागपुर की टीम बनी विजेता

खेल सिर्फ मनोरंजन या शारीरिक फिटनेस का साधन नहीं हैं , बल्कि अनुशासन, संघर्ष , दृढ़ संकल्प और जीत की यात्रा का प्रतीक हैं । आज पूरे महाराष्ट्र से प्रतिष्ठित टीमों ने यहां भाग लिया है , जो निश्चित रूप से खेल क्षेत्र के लिए एक उत्साहजनक विकास है। हैंडबॉल जैसे तेज और चुस्त खेल खेलते समय , प्रत्येक खिलाड़ी को खेल कौशल , टीम भावना और कड़ी मेहनत के महत्व को याद रखना चाहिए । विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि इस खेल महोत्सव से उत्कृष्ट खिलाड़ी निकलेंगे जो राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन करेंगे ।

श्री माता महाकाली क्रीड़ा महोत्सव के तहत विधायक किशोर जोरगेवार की पहल पर आरोही बहुउद्देशीय संगठन द्वारा खुटाला में राज्य स्तरीय हैंडबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस समय विधायक किशोर जोरगेवार बोल रहे थे। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य हैंडबॉल संघ के सचिव रणधीर सिंह , आरोही बहुउद्देशीय सामाजिक संगठन के अध्यक्ष धीरज वर्मा , अशोक मट्टे , खेल समन्वयक बाल्मीक खोबरागड़े , खुटाला के पूर्व सरपंच गुड्डू सिंह , हैंडबॉल संघ चंद्रपुर के सचिव प्रकाश डुमने , रशीद हुसैन , नकुल वासमवार , अमोल शेंडे , स्वप्निल पटकोटवार और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

इस बार आगे बोलते हुए जोरगेवार ने कहा कि, हम हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि राज्य भर के युवा एथलीटों को एक मंच मिले , उनका कौशल विकसित हो और वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमकें । यह प्रतियोगिता नए खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी और महाराष्ट्र की खेल संस्कृति को नई दिशा देगी। संघर्ष ही सच्ची जीत है और इसमें सिर्फ टीम ही मैच नहीं जीतती बल्कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाला हर खिलाड़ी जीत का हकदार होता है। हम सभी को खेलों के माध्यम से एक मजबूत समाज और एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए।

हम हर साल श्री माता महाकाली खेल महोत्सव का आयोजन करते हैं। यह सफल आयोजन इस वर्ष भी जारी है, और हमने विदर्भ स्तर की बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की। इसमें विदर्भ के 150 से अधिक प्रतियोगियों ने भाग लिया। हमारे द्वारा आयोजित कुश्ती प्रतियोगिताओं के कारण चंद्रपुर में कई पहलवान उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम भविष्य में भी ऐसे आयोजन नियमित रूप से करते रहेंगे।

यह प्रतियोगिता सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है , बल्कि महाराष्ट्र में खेल संस्कृति के लिए एक नई दिशा है। ये खेल हमें सिखाते हैं कि जीवन में संघर्षों से कैसे निपटा जाए , असफलता पर कैसे विजय प्राप्त की जाए और सफलता कैसे प्राप्त की जाए । इसलिए, सरकार भी ' खेलो इंडिया ' और ' फिट इंडिया ' जैसे अभियानों के माध्यम से खेल क्षेत्र को भरपूर सहायता दे रही है। जीत या हार क्षणभंगुर है , लेकिन जीतने की मानसिकता और खेल भावना ही आपको जीवन में महान बनाती है। विधायक किशोर जोरगेवार ने खिलाड़ियों से अपील की कि वे मैदान पर उतरते समय सिर्फ मैच जीतने के बारे में सोचने के बजाय खेल का आनंद लें और खुद को साबित करें ।

इस प्रतियोगिता में राज्य भर की टीमों ने भाग लिया। 20 वर्षों में पहली बार राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच कल रविवार को आयोजित किया गया। इसमें नागपुर की टीम ने अमरावती की टीम पर 26-11 के अंतर से शानदार जीत हासिल की। कोल्हापुर और मुंबई के बीच तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में मुंबई की टीम ने कोल्हापुर की टीम को 24-10 के अंतर से हराया। इसके बाद हैंडबॉल एसोसिएशन चंद्रपुर जिला अध्यक्ष अनिल धानोरकर , राज्य संघ के पदाधिकारी सूर , नामदेव दावले , गुड्डू सिंह , मनोज ठेंगणे , विक्की रामकृष्ण और अन्य गणमान्य लोगों के हाथों विजेता टीम को पुरस्कार वितरित किए गए ।

राज्यस्तरीय खेल महोत्सव का आज से आगाज

> राज्यभर से खिलाड़ी पहुंचे चंद्रपुर
> आज से खेले जाएंगे शानदार मैच

चंद्रपुर.

चंद्रपुर और बल्लारपुर में आयोजित होने वाले 26वें महाराष्ट्र राज्य अंतर-विश्वविद्यालय क्रीड़ा महोत्सव के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों की टीमें चंद्रपुर पहुंच चुकी हैं और आज से विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

चूंकि गोंडवाना विश्वविद्यालय इस महोत्सव का मेजबान है, इसलिए इन सभी महोत्सवों का आयोजन गोंडवाना विश्वविद्यालय, गढ़चिरौली द्वारा किया गया है। 18 फरवरी 22 फरवरी, 2025 की अवधि के दौरान चंद्रपुर और बल्लारपुर क्षेत्रों में आयोजित किया जाएगा और लड़कों और लड़कियों के लिए कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स और शतरंज सहित 8 खेल श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। कबड्डी मैच आरएसएसएस, विसापुर, खो-खो आरएसएसएस, विसापुर, वॉलीबॉल आरसीईआरटी, चंद्रपुर, बास्केटबॉल चंद्रपुर सैनिक स्कूल, विसापुर, बैडमिंटन जिला खेल स्टेडियम, चंद्रपुर (बैडमिंटन हॉल), टेबल टेनिस तालुका स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, विसापुर, (बैडमिंटन हॉल), एथलेटिक्स तालुका स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, विसापुर और शतरंज आरसीईआरटी, चंद्रपुर (इन हॉल) में आयोजित किए जाएंगे। ये सभी मैच दो सत्रों में सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक खेले जाएंगे। सभी सेमीफाइनल और फाइनल मैच रविवार को खेले जाएंगे। यह 21 फरवरी 2025 को होगा।

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर पदयात्रा का आयोजन

गढ़चिरोली. छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती 19 फरवरी को मनाई जाएगी और इस अवसर पर जिला प्रशासन ने 'जय शिवाजी जय भारत' पदयात्रा सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया है। यह पदयात्रा सुबह 7.30 बजे जिला परिषद हाई स्कूल से शुरू होते हुए इंदिरा गांधी चौक - कारगिल चौक - आईटीआई चौक - छत्रपति शिवाजी महाराज प्रतिमा, सरकारी विश्राम गृह और परिसर के सामने पार्क तक पहुंचने के बाद समाप्त की जाएगी। इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में विद्यार्थी और विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी भाग लेंगे। जिला कलेक्टर अभिश्यंत पंडा ने स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि वे सुबह 7.30 बजे जिला परिषद हाई स्कूल चामोर्शी रोड पर उपस्थित होकर बड़ी संख्या में पदयात्रा में अपनी सहभागिता दर्ज कराएं। इस आयोजन की पृष्ठभूमि में जिला कलेक्टर ने आज योजना की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को मार्च का मार्ग निर्धारित करने, विद्यार्थियों की भागीदारी तय करने, खेल मैदान को सुसज्जित रखने तथा साफ-सफाई की व्यवस्था करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

जिला क्रीड़ा अधिकारी भास्कर घाटाले ने सभी विभागों से समन्वय कर कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पुलिस अभियान में रवीश माधुमटके की हार्ट अटैक से मौत

> वीरपत्नी ने टिम कमांडर पर बदले की धमकी का आरोप

गढ़चिरोली.

12 फरवरी भामरागढ़ में पुलिस के अभियान के दौरान रवीश माधुमटके की ड्यूटी पर रहते हुए हार्ट अटैक से दुखद मृत्यु हो गई। रवीश की मौत ने न केवल उनके परिवार को गहरा शोक में डुबो दिया, बल्कि इसने यह सवाल भी खड़ा किया कि क्या उनके मानसिक और शारीरिक दबाव ने उनके स्वास्थ्य को खतरे में डाला।

13 फरवरी को पुलिस ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और एस.पी. नीलोत्पल ने उनके परिवार से मुलाकात की। इस दौरान वीरपत्नी ने यह आरोप लगाया कि उनके पति जब भी छुट्टी की मांग करते थे, तो टिम कमांडर द्वारा उन्हें बदली की धमकी दी जाती थी। वीरपत्नी का कहना था कि यही दबाव रवीश की मौत का कारण

बना। महत्वपूर्ण है कि रवीश की मृत्यु से एक दिन पहले, 11 फरवरी को भामरागढ़ में नक्सली मुठभेड़ में महेश नागुलवार नामक एक जवान शहीद हो गया था। उसके बाद, 12 फरवरी को रवीश को रोड क्लियर करने के अभियान में तैनात किया गया था। यह अभियान उनके लिए अंतिम साबित हुआ, क्योंकि इस दौरान उन्हें हार्ट अटैक आया और उनकी मृत्यु हो गई।

आशीष ने परिवार से मिलकर न्याय का आश्वासन दिया

13 फरवरी को सह पालकमंत्री आशीष जायसवाल ने इस दुखद घटनाक्रम पर गहरी चिंता व्यक्त की और रवीश के परिवार से मिलकर उन्हें न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। इस घटना ने पुलिस प्रशासन पर मानसिक तनाव और दबाव के कारण हुई मौत को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

वियानी स्कूल के सामने की सड़क की मरम्मत कर उसे सीमेंट-कांक्रीट सड़क बनाएं

गडचिरोली.

स्थानीय नवेगांव क्षेत्र में चंद्रपुर-गढ़चिरौली रोड से कुछ ही दूरी पर विद्यार्थियों के लिए वियानी विद्या निकेतन नामक स्कूल है। लेकिन इस स्कूल तक जाने वाली सड़क बहुत खराब है और अधूरी बनी हुई है, जिससे निवासियों, विद्यार्थियों और अभिभावकों को यातायात में बहुत परेशानी होती है। इसलिए सुयोग नगर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती ग्रीष्मा विवेक मून ने मांग की कि उक्त सड़क की मरम्मत की जाए तथा पूरी सड़क को सीमेंट और कंक्रीट से बनाया जाए। इस मौके पर उन्होंने विधायक डॉ. मिलिंद नरोटे (गढ़चिरौली विधानसभा क्षेत्र) को निवेदन सौंप दिया है। विधायक डॉ. मिलिंद नरोटे ने आश्वासन दिया कि सदर रोड का निर्माण जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा और यातायात की समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा।

रेल मंत्रालय के खिलाफ भारी असंतोष

> कोई नई रेल लाइन नहीं है, कोई नई सड़क नहीं है

कोरपना.

चंद्रपुर जिले में ब्रिटिश शासन के काल से ही रेलवे का जाल बिछा हुआ है। देश की केंद्रीय रेलवे लाइन पहले ही आ चुकी है। यहां तक कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक रेल भी इसी रेलवे ट्रैक पर चलती है। लेकिन आजादी के दशकों बाद भी रेलवे को लेकर जिलेवासियों की उम्मीदें पूरी नहीं हो पाई हैं।

महत्वपूर्ण रेलवे लाइनें नागपुर-सिकंदराबाद, बल्लारशाह-गोंदिया, माजरी-आदिलाबाद, नागभीड़-नागपुर जिले की रेल कनेक्टिविटी का मुख्य केंद्र हैं। अवारपुर-माणिकगढ़ रेलवे लाइन सीमेंट परिवहन के लिए एक मजबूत विकल्प है।

इसके अतिरिक्त, अन्य छोटी औद्योगिक रेलवे लाइनें भी हैं। लेकिन आज, राज्य की राजधानी मुंबई और शिक्षा के केंद्र पुणे जैसे प्रमुख शहरों के लिए रेल सेवाओं की भारी कमी है। बल्लारपुर - सुरजागड - सिरोंचा, गडचांदूर - कोरपना - आदिलाबाद, वरोरा - चिमूर - कानपा, मूल - सावली - गढ़चिरौली, घुग्घुस - वणी

इस नई रेलवे लाइन का कई वर्षों से इंतजार किया जा रहा था। दिलचस्प बात यह है कि इनमें से कुछ रेलवे लाइनों का रेलवे विभाग द्वारा सर्वेक्षण भी किया गया है। लेकिन नागपुर-नागभीड़ के अलावा कोई नई रेलवे लाइन आगे नहीं बढ़ी है। यह वास्तविकता है. इसके अलावा, कई ट्रेनों को चंद्रपुर, वरोरा, भद्रावती, माणिकगढ़, ब्रह्मपुरी, मूल और सिंदेवाही रेलवे स्टेशनों पर रुकना नहीं पड़ता है। इसलिए, रेलवे गांव के माध्यम से दिखाए गए दृश्य अलग हैं।

चूंकि रेलवे लाइन महत्वपूर्ण मार्गों से गुजरती है, इसलिए चंद्रपुर में इंदिरानगर, विवेकानंद नगर, विरुर स्टेशन, राजुरा, गड़चांदूर, नागभीड़, मूल, राजोली, माजरी, विसापुर, किरमिटी मेंढा, देउरवाड़ा आदि स्थानों पर फ्लाईओवर बनाना आवश्यक है। लेकिन इसकी अनदेखी की जा रही है। इसलिए स्थिति ऐसी बनी हुई है कि आम नागरिकों को ट्रेन आने का इंतजार करना पड़ता है। चंद्रपुर और चांदा फोर्ट चंद्रपुर शहर के दो महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन हैं। लेकिन ये दोनों रेलवे स्टेशन अभी तक एक दूसरे से रेलमार्ग से नहीं जुड़ पाए हैं। परिणामस्वरूप, उन्हें बल्लारशाह स्टेशन के माध्यम से एक दूसरे से जुड़ना पड़ता है। इन सभी रेल समस्याओं का तुरंत समाधान निकलने हेतु रेल मंत्रालय और रेल प्रबंधन द्वारा उचित कदम उठाने की जरूरत है.

नगर निगम के संपत्ति कर दंड में भारी छूट

> आयुक्त ने बकायादारों की संपत्ति जब्त करने के दिये निर्देश
> पानी का कनेक्शन भी काटने के निर्देश

चंद्रपुर.

महानगरपालिका ने 15 फरवरी तक बकाया सहित एकमुश्त संपत्तिकर का भुगतान करने वालों को ऑनलाइन कर का भुगतान करने पर जुर्माने में 50 प्रतिशत की छूट तथा ऑफलाइन कर का भुगतान करने पर 45 प्रतिशत की छूट दी थी। लेकिन छूट के बावजूद करदाताओं की संख्या काफी कम होने के कारण आयुक्त विपिन पालीवाल ने बकाया सहित संपत्तिकर का भुगतान करने वालों की संपत्ति जब्त करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

15 फरवरी तक केवल 8734 संपत्ति मालिकों ने जुर्माना राहत का लाभ उठाया है। 15 फरवरी के बाद भी नगर निगम ऑनलाइन 25 प्रतिशत और ऑफलाइन 22 प्रतिशत छूट दे रहा है। नगर पालिका को सख्त कदम उठाने पड़ रहे हैं, क्योंकि छूट दिए जाने के बावजूद नागरिक संपत्ति कर का भुगतान नहीं करने के इच्छुक दिख रहे हैं। नगर निगम ने टैक्स वसूली के लिए 15 टीमें नियुक्त की हैं और प्रत्येक टीम को प्रतिदिन कम से कम 10 संपत्ति मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करने और संपत्ति जब्त करने के साथ ही पानी के कनेक्शन काटने के निर्देश दिए गए हैं।

25 प्रतिशत ऑनलाइन तथा 22 प्रतिशत ऑफलाइन पेनल्टी छूट 31 मार्च तक प्रभावी रहेगी तथा कर भुगतान को सुविधाजनक बनाने के लिए संपत्ति कर भुगतान कार्यालय 31 मार्च तक प्रत्येक अवकाश के दिन भी खुला रहेगा। चंद्रपुर नगर निगम उन संपत्ति कर बकाएदारों से अपील कर रहा है, जो अभी भी अपनी संपत्तियों से वित्तीय आय प्राप्त कर रहे हैं कि वे जल्द से जल्द अपने बकाया करों का भुगतान करें और नगर निगम द्वारा जब्ती की कार्रवाई से बचें।

हार से विचलित न होकर सदैव जनता की सेवा में तत्पर

गढ़चिरोली.

पूर्व सांसद अशोक नेते का संघर्ष, जनसंपर्क और विकास के लिए निरंतर प्रयास

गढ़चिरोली-चिमूर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र एक आदिवासी बहुल, दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। यहां राजनीतिक रूप से सक्रिय रहना और विकास की गंगा बहाना बहुत कठिन चुनौती है। हालांकि, पूर्व सांसद अशोक नेते ने अपने मजबूत नेतृत्व से इस चुनौती का सामना किया और दो बार विधायक और दो बार सांसद के रूप में लोगों का प्रतिनिधित्व करते हुए इस क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हाल ही में, संसद सदस्य के रूप में उनके उल्लेखनीय दस साल के कार्यकाल के सम्मान में, उन्हें पुणे में एक प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित "जाधवर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स" द्वारा "7वें" युवा संसद में "आदर्श सांसद पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उनकी अथक मेहनत और समाज के लाभ के लिए किए गए कार्यों को मान्यता प्रदान करता है।

पराजय के बाद भी नहीं रुकी जनसेवा और जनसंपर्क।

राजनीति में हार के बाद कई नेता सक्रियता से पीछे हट जाते हैं, लेकिन अशोक नेते ने इसके विपरीत अपना जनसंपर्क बढ़ाने और सामाजिक कार्यों में अधिक सक्रिय होने का निर्णय लिया। लोकसभा चुनाव में हार के बाद भी उन्होंने लोगों की समस्याओं को समझने और उन्हें हल करने के लिए गढ़चिरौली के विभिन्न हिस्सों का दौरा जारी रखा। वे भामरागढ़, अहेरी, एटापल्ली, मुलचेरा, कुरखेड़ा, कोरची, धानोरा जैसे दुर्गम इलाकों का लगातार दौरा कर रहे हैं। उनका जनसंपर्क कार्यालय आज भी लोगों से गुलजार रहता है, क्योंकि लोग जानते हैं कि अशोक नेते उनके सवालों को सुनते हैं और उनके समाधान के लिए ईमानदारी से प्रयास करते हैं।

सांसद के रूप में दस वर्ष – विकास की दिशा में एक ठोस कदम

अशोक नेते ने 2014 से 2024 तक सांसद के रूप में अपने दस साल के कार्यकाल के दौरान गढ़चिरौली-चिमूर लोकसभा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य किए।

उनके नेतृत्व में कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियां:

1,400,000 करोड़ रुपये के बुनियादी ढांचा विकास कार्य – राजमार्ग, पुल, रेलवे, सिंचाई परियोजनाएं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान – मेडिकल कॉलेज, कृषि महाविद्यालय, गोंडवाना विश्वविद्यालय, आदिवासी छात्रों के लिए एकलव्य विद्यालय स्वीकृत रेलवे परियोजनाएँ: गति-वडसा-गढ़चिरौली रेलवे लाइन, गढ़चिरौली-चामोर्शी-आष्टी-अलापल्ली-सिरोंचा-मंचरियाल रेलवे लाइन पर्यटन और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना – सुरजागड़ लौह परियोजना, कोनसरी स्टील प्लांट

जनजातीय समुदायों के सशक्तिकरण के लिए विशेष योजना

लोकसभा में प्रभावी उपस्थिति...

उन्होंने लोकसभा में 1,700 से अधिक प्रश्न उठाए, जिनमें से 272 पर चर्चा की गई, जबकि 377 प्रश्न शून्यकाल के दौरान उठाए गए। ये आंकड़े उनकी कार्यकुशलता और जनहित के लिए संघर्ष का स्पष्ट प्रमाण हैं।

संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण एवं राजनीतिक आंदोलन...

अशोक नेते ने न केवल लोकसभा में, बल्कि पार्टी संगठन के लिए भी बहुमूल्य कार्य किया है। भाजपा के युवा मोर्चा से शुरू हुआ उनका सफर अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष और राष्ट्रीय महामंत्री के पद तक पहुंचा। उनके नेतृत्व में भाजपा पहली बार गढ़चिरौली जिले में सत्ता में आई और एक सांसद सहित तीन विधायक चुने गए। उन्होंने गढ़चिरौली में भाजपा की विचारधारा और पार्टी के विकास के लिए दिन-रात काम किया, यही कारण है कि उन्हें आज भी जिले में एक प्रभावी नेता माना जाता है।

सामाजिक प्रतिबद्धता और सार्वजनिक सेवा – "सार्वजनिक सेवा ईश्वर की सेवा है"

अशोकजी नेते का संयमित स्वभाव, सादगी और लोगों के साथ सहजता से घुलने-मिलने की आदत ही वे कारण थे, जिनके कारण वे लोगों के दिलों में जगह बनाने में सफल रहे। उनके कार्यालय या निवास पर आने वाले किसी भी व्यक्ति का गर्मजोशी से स्वागत किया जाता है।

उन्होंने आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए कई योजनाएं लागू कीं, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए और शैक्षिक सुविधाओं का विकास किया।

"संसदीय आदर्श पुरस्कार" - कार्य की महिमा एवं भावी मार्ग

युवा संसद में "जाधवर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स" द्वारा प्रस्तुत "सांसद आदर्श पुरस्कार" अशोक नेते के दस वर्षों के असाधारण कार्य की मान्यता है। यह पुरस्कार सिर्फ सम्मान ही नहीं है, बल्कि भविष्य में और तेज गति से विकास कार्य करने की प्रेरणा भी है।

भविष्य की दिशा और जनता की अपेक्षाएँ...

गढ़चिरौली-चिमूर निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को अभी भी उम्मीद है कि अशोकजी नेते लगातार काम करते रहेंगे। यह उनकी जनसेवा की प्रवृत्ति के कारण ही है कि "वे पूर्व सांसद नहीं हैं, बल्कि अभी भी कार्यरत सांसद हैं!" बहुत से लोग ऐसा ही सोचते हैं। उनके नेतृत्व, संघर्ष और विकासपरक दृष्टिकोण को देखते हुए भविष्य में उन्हें और भी बड़ी जिम्मेदारी मिलने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

हार से हतोत्साहित हुए बिना जनसेवा का व्रत..

हार संघर्ष का एक चरण है. सच्चे नेतृत्व का लक्षण है आत्म-परीक्षण के माध्यम से, बिना थके, अधिक जोश के साथ सार्वजनिक सेवा में काम करते रहना। "लोगों की सेवा ही सच्चा धर्म है!" इस सिद्धांत पर अडिग रहकर दिन-रात जनहित के लिए काम करने वाले पूर्व सासंद अशोक नेते का कार्य निश्चित रूप से प्रेरणादायी है। अपने परोपकारी रवैये के कारण वे सदैव लोगों के दिलों में बने रहेंगे। ऐसे नेतृत्व को सलाम जो संकट की छाया में भी दृढ़ता से आगे बढ़ता है!

एकता के खिलाफ जांच करेगी मुंबई पुलिस

मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर कानूनी पचड़े में फंसती नजर आ रही हैं. उनकी एक वेब सीरीज के बोल्ड सीन को लेकर आपत्ति हुई और वह कानूनी शिकंजे में फंस गई. दरअसल, एकता कपूर पर आरोप है कि उनकी वेब सीरीज के एक एपिसोड में सेना के जवान को अनुचित सेक्सुअल एक्टिविटी करते दिखाया गया है. इसको लेकर पॉपुलर यूट्यूबर विकास पाकक ऊर्फ हिंदुस्तानी भाऊ ने एकता कपूर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. अब कोर्ट ने इस मामले में मुंबई पुलिस को आदेश दिया है कि एकता कपूर के खिलाफ जांच करके रिपोर्ट फाइल करे.

हिंदुस्तानी भाऊ ने एकता कपूर, उनके पिता जितेंद्र और मां शोभा के अलावा उनके ओटीटी प्लेटफॉर्म ऑल्ट बालाजी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. एकता कपूर के खिलाफ सीसीपी की धारा 202 के तहत दर्ज हुई शिकायत में मुंबई के बांद्रा कोर्ट ने पुलिस को उनके खिलाफ जांच करने का आदेश दिया और 9 मई को रिपोर्ट पेश करने को कहा है. दरअसल, एकता कपूर के ओटीटी प्लेटफॉर्म ऑल्ट बालाजी पर एक वेब सीरीज के एक एपिसोड में भारतीय सैनिकों के अपमान करने का आरोप है. वकील अली काशिफ खान देशमुख की एफआईआर के मुताबिक, ऑल्ट बालाजी की एक वेब सीरीज के एपिसोड में सेना के जवान को अनुचित सेक्सुअल एक्टिविटी करते दिखाया गया है. शिकायत में कहा गया कि हिंदुस्तानी भाऊ को मई 2020 में इसके बारे में पता चला था. जिसके बाद उन्होंने शिकायत दर्ज कराई.

बाफ्टा अवॉर्ड से चूकी 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट'

'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' काफी वक्त से चर्चा में है. पायल कपाड़िया के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में देश का नाम ऊंचा किया है. हाल ही में ये फिल्म 78वें बाफ्टा (ब्रिटिश अकादमी फिल्म अवॉर्ड) अवॉर्ड के लिए भी नॉमिनेट की गई थी, इसका नॉमिनेशन बेस्ट नॉन इंग्लिश फिल्म कैटेगरी में हुआ था. हालांकि, 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' इस अवॉर्ड से चूक गई और उसे हराकर स्पेनिश लैंग्वेज की फ्रेंच म्यूजिकल क्राइम ड्रामा 'एमिलिया पेरेज' ने बाजी मार ली है.

कनी कुश्रुती, दिव्या प्रभा और छाया कदम स्टारर इस फिल्म ने कई बड़े अवॉर्ड नॉमिनेशन में अपनी जगह बना चुकी है. इसक पहले इस फिल्म को 82वें गोल्डन ग्लोब अवाड्र्स के लिए भी नॉमिनेट किया गया था, लेकिन उसमें भी ये फिल्म चूक गई. बाफ्टा अवॉर्ड्स की बात करें, तो इसके विनर लिस्ट की अनाउंसमेंट रविवार यानी 16 फरवरी को लंदन के रॉयल फेस्टिवल हॉल में की गई. इस इवेंट को शो 'डॉक्टर हू' के स्टार डेविड टेनेंट ने होस्ट किया.

'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' की बात करें, तो ये फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म की कहानी दो मलयाली नर्स पर बेस्ड है, जो कि मुंबई में रहती हैं. पूरी फिल्म इन दो लड़कियों की जिंदगियों के इर्द-गिर्द घूमती रहती है. इस फिल्म ने कई मामलों में देश का नाम ऊंचा किया है. पिछले साल इस फिल्म को कान्स में ग्रैंड प्रिक्स जीता था, जो कि भारत के लिए पहला अवॉर्ड है. इतना ही नहीं ये फिल्म पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की भी पसंदीदा फिल्मों की लिस्ट में शामिल है, जिसे उन्होंने साल 2024 के आखिरी में शेयर किया था.

'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' और 'एमिलिया पेरेज' के अलावा बाफ्टा बेस्ट नॉन इंग्लिश फिल्म की नॉमिनेशन में पुर्तगाली की 'आई एम स्टिल हियर',आयरिश की 'नी कैप',और फारसी की 'द सीड ऑफ द सेक्रेड फिग' भी शामिल थी. इन सभी फिल्मों में 'एमिलिया पेरेज' ने जीत हासिल की है. इस फिल्म को ऑस्कर में 13 अलग-अलग कैटेगरी के लिए नॉमिनेट किया गया था. इस फिल्म ने ही 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को गोल्डेन ग्लोब अवॉर्ड में भी पछाड़ा था.

अनुभव सिंह बस्सी का लखनऊ शो हुआ रद्द

यूट्यूबर समय रैना पर इन दिनों संकट के बाद घिरे हुए हैं. 'इंडियाज गॉट लेटेन्ट' शो में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने को लेकर शो के खिलाफ शिकायक दर्ज की गई थी. समय रैना के शो के बाद अब कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी पर भी मुसीबतों के बादल मंडरा रहे हैं. बताया जा रहा है, कि उनका लखनऊ में होने वाला शो रद्द कर दिया गया है. अनुभव बस्सी पर भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगा है. चलिए आपको बताते हैं, कि आखिर पूरा मामला क्या है? स्टैंड-अप कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी का लखनऊ में होने वाला शो रद्द कर दिया गया है. यह कार्रवाई अधिकारियों द्वारा 'अभद्र भाषा' के इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दिए जाने के बाद की गई है. शो को 15 फरवरी को लखनऊ में दो बार दोपहर 3 बजे और शाम 7 बजे आयोजित किया जाना था, लेकिन पुलिस ने कानून व्यवस्था की चिंताओं का हवाला देते हुए शो को रद्द कर दिया. यह विवाद 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो के बाद बढ़ा, जब समय रैना पर भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगा था. लखनऊ शो के रद्द होने के बाद, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने डीजीपी प्रशांत कुमार को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने अनुरोध किया कि शो में शालीनता बनाए रखी जाए, अन्यथा इसे पूरी तरह से बंद कर दिया जाए.उन्होंने यह भी कहा कि बस्सी के पिछले शो में अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया गया था, और महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई थीं. अधिकारियों से अनुरोध किया गया था, कि वे यह सुनिश्चित करें कि इस शो में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणियां न की जाएं.

'द रोशन्स' की सक्सेस पार्टी में ऋतिक-रेखा आए साथ

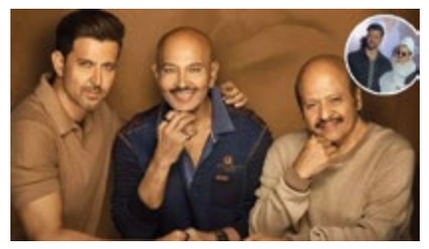

17 जनवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर डॉक्यूमेंट्री सीरीज, 'द रोशन्स' रिलीज हुई थी. इस सीरीज में बॉलीवुड के फेमस हस्तियों के रोशन परिवार की सफलता और असफलता के बारे में बताया गया है. सीरीज को लोगों की तरफ से काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला, जिसके बाद रिलीज के एक महीने बाद इसकी सक्सेस पार्टी रखी गई. इस पार्टी में इंडस्ट्री के जाने माने हस्तियों ने शिरकत की, जिनमें से बॉलीवुड की लेजेंड्री एक्ट्रेस रेखा ने सबका ध्यान अपनी ओर किया. एक्ट्रेस ने ऋतिक रोशन के साथ रेड कार्पेट पर पोज दिया.'द रोशन्स' की सक्सेस पार्टी से कई वीडियो वायरल हुए हैं, जिसमें से एक में रेखा और ऋतिक साथ में फोटो क्लिक कराते नजर आ रहे हैं. इस वीडियो को देखते ही फैन्स को उनकी फिल्म कोई मिल गया की याद आ गई. रेखा ने एक्टर के हाथों में हाथ डाला हुआ था, जिसमें वो अपने ड्रेस का पफी स्लिव सही करती नजर आ रही थीं. कोई मिल गया है में रेखा ने ऋतिक की मां का किरदार निभाया था. उनके साथ ही फ्रेम में राकेश रोशन भी मौजूद थे.पार्टी में रेखा काफी स्टाइलिश लुक में नजर आ रही थीं. दोनों की फिल्म को याद करते हुए फैन्स ने कमेंट सेक्शन में लिखा कि 'जादू किधर है'.साथ ही साथ इस पार्टी में ऋतिक की गर्लफ्रेंड सबा आजाद भी आई हुई थीं. उनके अलावा अगर बॉलीवुड सितारों की बात की जाए, तो इसमें नीतू कपूर, अमीषा पटेल, अनु मलिक, सबा आजाद, शबाना आजमी, जावेद अख्तर, भूषण कुमार, पश्मीना रोशन, जितेंद्र, अलका याग्निक, जैकी और टाइगर श्रॉफ, अनुपम खेर जैसे और भी कई लोगों ने शिरकत की थी.वहीं 'द रोशन्स' की बात करें, तो शशि रंजन के डायरेक्शन में बनी ये डॉक्यू-सीरीज में रोशन परिवार के कई सारी अनकही बातें सुनने को मिली है.

सनी देओल बने एक्शन के 'बाप'

- मार-कुटाई वाली एक्शन फिल्में

सनी देओल जिन्हें उनके फैन्स प्यार से 'एक्शन फिल्मों का बाप' कहकर बुलाते हैं. यह टैग हासिल करने में 42 साल लग गए हैं. यूं तो सनी पाजी की आने वाली फिल्मों में भी खूब मारधाड़ होने वाली है. पर जिस फिल्म को उनके करियर की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म कहा जा रहा है कि, वो अबतक रिलीज नहीं हुई है. 'जाट' 10 अप्रैल को आने वाली है, जिसमें वो 6 विलेन्स से भिड़ने वाले हैं. खैर, सनी देओल को एक्शन सुपरस्टार बनाने के पीछे इन 10 फिल्मों का बड़ा योगदान रहा है.

सनी देओल वो आदमी हैं, जो अपने हाथ के एक झटके से ट्रक रोक देते हैं. अपनी मुट्ठी से दीवारों को ध्वस्त कर देते हैं... जिनके एक डायलॉग से ही दुश्मन का आधा खेल तमाम हो जाता है. आइए सनी देओल की उन 10 एक्शन फिल्मों के बारे जानिए, जिन्होंने फैन्स को सिनेमा हॉल में नाचने-गाने पर मजबूर कर दिया.

सनी पाजी की 10 एक्शन वाली फिल्में

1. घायल (1990): सनी देओल की यह सिर्फ फिल्म नहीं है, बल्कि मास्टरपीस है. 'घायल' में उन्होंने अजय मेहरा का रोल किया था. 'हंस मुझपे हंस' वाला मारधाड़ सीन तो आज भी लोगों के जहन में है. इस फिल्म ने सनी पाजी को पहला नेशनल अवॉर्ड दिलाया और उनके फैन की संख्या में इजाफा हो गया.

2. दामिनी (1993): अब यहां तो सनी देओल वकील बन गए. उनका वो 'तारीख पे तारीख' वाला डायलॉग, जिसका एक अलग ही फैन बेस है. उनके सवालों और जवाबों से हर कोई थर-थर कांप रहा था. इस फिल्म ने भी उन्हें एक और नेशनल अवॉर्ड दिलाया था.

3. नरसिम्हा (1991): सनी देओल इस फिल्म में किसी पर कोई रहम नहीं खाता. पहले बापजी के लिए लोगों को पीटता है, फिर आगे चलकर बाप जी को उठा-उठाकर मारता है. पूरी फिल्म में एक तलवार लिए घूमता है, जो भी सामने आए कांप जाए. पिक्चर में उनके साथ ओम पुरी, जॉनी लीवर, डिम्पल कपाड़िया और उर्मिला मातोंडकर ने भी काम किया था.

4. बॉर्डर (1997): जब यह फिल्म रिलीज हुई, तो पूरा देश सनी देओल के साथ 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाता रह गया. युद्ध के सीन्स में उनका इतना दमदार अभिनय, जिसकी आज भी तारीफ होती है. 'फौजी' के किरदार में उन्हें काफी पसंद किया गया. इस वक्त इसी फिल्म के पार्ट 2 पर काम चल रहा है, जो अगले साल सिनेमाघरों में आएगा.

5. अर्जुन पंडित (1999): यहां सनी देओल ने डबल रोल किया और दोनों ही रोल में उनका एक्शन कमाल का था. यह वो फिल्म है, जिसने साबित किया कि उन्हें एक्शन के बादशाह क्यों कहा जाता है.

6. गदर: एक प्रेम कथा (2001): सनी देओल का तारा सिंह वाला किरदार आज भी लोगों के जहन में है. जो पत्नी सकीना को वापस लाने के लिए पाकिस्तान जाता है और हैंडपंप ही उखाड़ देता है. इस पिक्चर ने सनी के स्टारडम को चार चांद लगा दिए थे.

7. जीत (1996): इस फिल्म में भी सनी देओल ने गजब का परफॉर्मेंस दिया था. पिक्चर में सनी देओल के साथ सलमान खान भी थे. फिल्म में करण एक क्रिमिनल है, जो अपने मालिक के सभी काले कामों को करता है. लेकिन असली खेल तब होता है, जब काजल की शादी किसी और से हो जाती है. लेकिन आखिर में कहानी कुछ और ही मोड लेती है.

8. इंडियन (2001): यह एक रीमेक फिल्म है, जो हिट रही थी. यूं तो सनी देओल रीमेक में काम करना पसंद नहीं करते, पर इस बार किया था. तमिल फिल्म के रीमेक में सनी देओल डीसीपी बने थे. वो एक खतरनाक आतंकवादी से मुकाबला करते हैं और उनकी मदद कई ऐसे लोग करते हैं, जिनके बारे में कोई नहीं जानता.

सोनाक्षी सिन्हा को चाहिए सुरक्षा

पाने की गुहार लगाई है। उनकी ये पोस्ट देख फैंस भी हैरान हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने लेटेस्ट इंस्टा स्टोरी से सनसनी फैला दी, लेकिन इस कहानी में एक दिलचस्प ट्विस्ट है। हालांकि, जब कोई सेलिब्रिटी कहे कि उसे कोई स्टॉक कर रहा है, तो फैंस चिंता में पड़ जाते हैं।

लेकिन सोनाक्षी के मामले में बात कुछ अलग है। उनका स्टॉकर कोई और नहीं, बल्कि उनकी बेस्ट फ्रेंड हुमा कुरैशी हैं! सोनाक्षी ने इंस्टाग्राम स्टोरी में एक सेल्फी पोस्ट की, जिसमें हुमा कुरैशी भी नजर आ रही हैं। इस फोटो के साथ उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा- "स्टॉकर यहां भी आ गई – हुमा कुरैशी!" इसके बाद हुमा ने सोनाक्षी की फोटो को अपनी स्टोरी पर शेयर करते हुए लिखा- "मेरी फीमेल बॉडीगार्ड!" जिस पर सोनाक्षी ने मजाकिया रिप्लाई दिया- "प्लीज...! मुझे तुमसे प्रोटेक्शन चाहिए!"

हुमा और सोनाक्षी लंबे समय से बेस्ट फ्रेंड्स हैं। वे अक्सर साथ में मस्ती करते नजर आती हैं और एक-दूसरे के हर सुख-दुख में साथ रहती हैं। अब इस मजेदार इंस्टाग्राम एक्सचेंज को देखकर फैंस भी हंस रहे हैं और सोनाक्षी-हुमा की दोस्ती की तारीफ कर रहे हैं।

हॉलीवुड फिल्म में साथ आ रहे सलमान और संजू बाबा?

साल 2012, जब सलमान खान और संजय दत्त एक ही फिल्म में दिखे. इसके बाद न तो सल्लू भाई के साथ संजू बाबा दिखे, न तो कोई कैमियो. पर हां एक गाना कुछ वक्त पहले आया था. इसमें सलमान खान खूब सारा एक्शन करते दिखे थे. गाने की एंडिंग में संजू बाबा भी नजर आते हैं. पर देखकर लग रहा था कि दोनों अलग-अलग शूट कर चुके हैं. अब एक बार फिर खबर आई है कि दोनों साथ आ रहे हैं. यह कोई बॉलीवुड प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक हॉलीवुड फिल्म है. जी हां, आपने एकदम सही सुना है. संजय दत्त और सलमान खान एक हॉलीवुड थ्रिलर के लिए साथ आ रहे हैं. हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई. इससे पता लगा कि फिल्म को बड़े बजट में तैयार किया जा रहा है. वहीं फिल्म के शूट के लिए संजू बाबा और सल्लू भाई सउदी अरब पहुंच चुके हैं. संजय दत्त और सलमान खान कई फिल्मों में साथ नजर आए हैं. ऐसे में फैन्स उन्हें आगे भी साथ काम करते हुए देखना चाहते हैं.अब वो मौका आ चुका है. रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान खान और संजय दत्त एक बिग बजट हॉलीवुड थ्रिलर के लिए साथ आए हैं. इस फिल्म में दोनों का कैमियो होगा, जिसकी शूटिंग के लिए सऊदी अरब पहुंच गए हैं. दरअसल फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जो 19 फरवरी तक चलेगी. फिल्म का शूट हाल ही में लॉन्च हुए अलुला स्टूडियोज में होगा.

24 साल की फेमस कोरियन एक्ट्रेस का निधन

साउथ कोरियन एक्ट्रेस किम से-रॉन रविवार को सियोल स्थित अपने घर में मृत पाई गईं। वो सिर्फ 24 साल की थी। उनके निधन से साउथ कोरियन फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। बताया जा रहा है कि किम से-रॉन की मौत का खुलासा तब हुआ जब उनकी एक दोस्त उनसे मिलने घर पहुंची। उन्होंने ही एक्ट्रेस की मौत के बारे में पहली बार पुलिस को बताया।

किम से-रॉन की मौत से कोरियाई मनोरंजन जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। फैंस उनके लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर रहे हैं। हालांकि, पुलिस ने इसे संदेहास्पद मामला नहीं बताया है, लेकिन फैंस फिर भी ये सवाल खड़े कर रहे हैं कि आखिर उनकी मौत हुई कैसे।

सोशल मीडिया पर कुछ लोग 24 साल की उम्र में एक्ट्रेस के मर जाने और वजह सामने न आने पर सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्हें ये मामला थोड़ा संदेहास्पद लग रहा है। स्थानीय पुलिस के मुताबिक, एक्ट्रेस के घर में सेंधमारी के कोई संकेत नहीं मिले हैं। इसके अलावा किसी तरह की गड़बड़ी भी नहीं मिली है।

किम से-रॉन के करियर की बात करें तो वो साल 2010 में रिलीज हुई फिल्म 'द मैन फ्रॉम नोव्हेयर' से लाइमलाइट में आईं। ये उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई थी। इसके अलावा वो 'ए गर्ल एट माई डोर', 'आई एम ए डैड' और 'द विलेजर्स' समेत कई फिल्मों में दिखाई दीं।

किम से-रॉन की आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट उनके करीबी दोस्त और के-पॉप ग्रुप एस्ट्रो के सदस्य मूनबिन के लिए थी। उन्होंने पोस्ट में "HBD" लिखकर दिवंगत मूनबिन को उनके 27वें जन्मदिन पर श्रद्धांजलि दी थी। वो दोनों लंबे समय तक दोस्त रहे. मूनबिन ने अप्रैल 2023 में आत्महत्या कर ली थी।

किम से-रॉन मई 2022 में उन्हें ड्रिंक एंड ड्राइव के मामले में गिरफ्तार किया गया था, जब उन्होंने गैंगनम, सियोल में कई लैंप पोस्ट और गार्ड रेल्स को टक्कर मार दी थी। अप्रैल 2023 में उन्हें 20 मिलियन वोन का जुर्माना भरना पड़ा।

रणजी सेमीफ़ाइनल में विदर्भ की मजबूत स्थिति

नागपुर.

यश राठौड़ 47 कप्तान अक्षय वाडकर 13 रन नाबाद विदर्भ पहली पारी 308/५ नागपुर-ध्रुव शौरी और दानिश मालेवर के अर्धशतकों की बदौलत नागपुर में रणजी ट्रॉफ़ी सेमीफ़ाइनल के पहले दिन विदर्भ अच्छी स्थिति में पहुंच गया है, जहां से वह पहली पारी में 400 के पार स्कोर की उम्मीद कर सकता है. विदर्भ के शीर्ष पांच में से चार बल्लेबाज़ एक अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर पाए और इसका श्रेय शिवम दुबे और शम्स मुलानी को जाता है, जिन्होंने दो-दो विकेट चटकाए. दिन का खेल समाप्त होने तक विदर्भ के लिए इस सीज़न सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ यश राठौड़ 47 पर नाबाद पवेलियन लौटे हैं, जबकि पिछले सीज़न

रणजी फ़ाइनल में गतविजेता मुंबई के ख़िलाफ़ शतक लगाने वाले विदर्भ के कप्तान अक्षय वाडकर 13 रन पर नाबाद पवेलियन लौटे हैं.

इस सीज़न सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ हर्ष दुबे जिन्होंने अब तक दो अर्धशतक भी लगाए हैं उनका अभी बल्लेबाज़ी के लिए आना बाक़ी है। ऐसे में विदर्भ पहली पारी में एक बड़ा स्कोर खड़ा करने की कोशिश करेगा जो वे पिछले सीज़न के फ़ाइनल में नहीं कर पाए थे.

विदर्भ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का निर्णय लिया

विदर्भ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का फ़ैसला किया शार्दुल ठाकुर और मोहित अवस्थी का स्पेल खेलने के

बाद सलामी बल्लेबाज़ अथर्व ताइडे रॉयस्टन डायस का शिकार बन गए। हालांकि इसके बाद शौरी और अपना दूसरा प्रथम श्रेणी मैच खेल रहे पर्थ रेखड़े के बीच 54 रनों की साझेदारी हुई। दुबे ने रेखड़े को 23 के निजी स्कोर पर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया.

शौरी और मालेवर के बीच 51 रनों की साझेदारी

इसके बाद शौरी और मालेवर के बीच 51 रनों की साझेदारी हुई, हालांकि मुलानी ने शौरी को 74 के निजी स्कोर पर स्लिप में अजिंक्य रहाणे के हाथों कैच करवा दिया. इसके बाद बल्लेबाज़ी करने आए करुण नायर ने मालेवर के साथ धीरे-धीरे पारी को बढ़ाना शुरू किया जैसा कि उन्होंने क्वार्टर-फ़ाइनल में तमिलनाडु के ख़िलाफ़ किया था.

हालांकि नायर 45 के निजी स्कोर पर दुबे का शिकार बन गए जबकि अपने दूसरे प्रथम श्रेणी शतक की ओर बढ़ रहे मालेवर का मुलानी ने शिकार कर लिया. इसके बाद राठौड़ और वाडकर ने दिन का खेल समाप्त होने तक 47 रनों की साझेदारी कर ली थी.

21वां स्लम सॉकर नेशनल कप 21 फरवरी से

-महिला सहित 320 खिलाड़ी होंगे शामिल

नागपुर. क्रीड़ा विकास संस्था स्लम सॉकर, जो कि फुटबॉल के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने का कार्य करता है. यह संस्था फीफा द्वारा भी सम्मानित है,यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट आगामी 21 से 23 फरवरी तक आयोजित की जाएगी.संस्था के संस्थापक और सचिव प्रोफेसर विजय वाडसे ने एक पात्र परिषद में यह जानकारी देते हुए, कहा कि 2001 में नागपुर से शुरू हुए इस टूर्नामेंट का यह 21वां संस्करण है। इसमें जम्मू-कश्मीर, पंजाब, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, गुजरात, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और गोवा की टीमें भाग लेंगी। कुल 320 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में खेलेंगे। विदर्भ की एक टीम भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी. जिसमें विभिन्न स्लम समुदायों के लड़के-लड़कियां शामिल होंगे। इसके बाद इन खिलाडियों को फुटबॉल और सामाजिक विकास के लिए टूर्नामेंट के समापन पर 25 प्रतिभाशाली खिलाड़िओं का चयन किया जायेगा. जो यह आगामी 23 से 30 अगस्त 2025 तक ओस्लो नॉर्वे में आयोजित होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेनेवाली होगी. इस प्रतियोगिता में 60 से अधिक देश भाग ले रहे है.

इस अवसर पर प्रो. विजय बारसे (संस्थापक और सुचित्र) डॉ. अभिजीत बारसे (सीईओ)

सुश्री महिमा बारसे (एचआर) शिवानी चौधरी,अनस अख्तर,अहसान कमाल, इब्राहिम खान,कुणाल महुरकर,पंकज महाजन (टूर्नामेंट इंचार्ज) ,साजिद जमाल (टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर) सुश्री शीबा मार्कस. आदि उपस्थित थे.

हरियाणा रेसलिंग टीम बनी ओवरऑल चैंपियन

बहादुरगढ़.

उत्तराखंड में हुए 38वें नेशनल गेम्स में हरियाणा रेसलिंग टीम ओवरऑल चैंपियन चुनी गई। हरियाणा के पहलवानों का बेहतरनी प्रदर्शन रहा। हरियाणा रेसलिंग एसोसिएशन के महासचिव कोच राकेश

सिंह सांगवान ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यहां पहुंचने पर खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया जाएगा। एसोसिएशन महासचिव राकेश सिंह सांगवान ने बताया कि 60 किलोग्राम के ग्रीको रोमन में साहिल ने स्वर्ण, 87 किलोग्राम भार वर्ग में ग्रीको रोमन में सुनील ने स्वर्ण, 57 किलोग्राम भार वर्ग के फ्री स्टाइल में सुमित ने रजत, 86 किलोग्राम में सचिन ने रजत, 67 किलोग्राम में ग्रीको रोमन में अनिल ने रजत, 65 किलोग्राम में फ्री स्टाइल में सिद्धार्थ ने कांस्य, 97 किलोग्राम फ्री स्टाइल में प्रदीप ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं महिलाओं की 50 किलोग्राम कुश्ती प्रतियोगिता में पहलवान विनीता ने कांस्य, 53 किलोग्राम में ज्योति ने कांस्य, 57 किलोग्राम में तपस्या ने गोल्ड, 62 किलोग्राम में कल्पना ने गोल्ड, 68 किलोग्राम में राधिका ने गोल्ड व महिलाओं के हेवी वेट में 76 किलोग्राम में प्रिया ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

आईसीसी टूर्नामेंट में अफगानिस्तान की शानदार वापसी

नई दिल्ली.

अफगानिस्तान की टीम पहली बार चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शिरकत करने के लिए तैयार है। पिछले कुछ साल अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के लिए काफी अच्छे रहे हैं और उसका आइसीसी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन रहा है। कप्तान हशमातुल्लाह शाहीदी की अगुआई में अफगानिस्तान की टीम पहली बार आइसीसी वनडे चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए जा रही है, जिसकी शुरुआत 19 फरवरी से होगी। अफगान टीम की ताकत उसकी गेंदबाजी रही है, जिसमें स्पिनरों का अहम योगदान रहा है। यही वजह है कि 2022 से लेकर अब तक वनडे फॉर्मेट में अफगान गेंदबाज सभी पर भारी पड़े हैं और

उनकी इकोनॉमी सबसे किफायती रही है। वहीं, दो बार की पूर्व चैंपियन भारतीय टीम के गेंदबाज इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। टीम इंडिया के सभी मैच दुबई में खेले जाएंगे और खिलाड़ी शनिवार को ही यहां पहुंचे हैं।

हालांकि पिछले कुछ समय से अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन उसकी सबसे बड़ी ताकत स्पिन गेंदबाजी है। स्टार स्पिनर राशिद खान और मोहम्मद नबी किसी भी बल्लेबाजी क्रम पर लगाम कस सकते हैं। अफगान टीम ग्रुप-बी में है, जिसमें उसका मुकाबला ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड जैसी दिग्गज टीमों से होगा।

सबसे कम इकोनॉमी रेट की सूची में भारतीय टीम दूसरे स्थान पर है, जिसके गेंदबाजों ने 5.1 की इकोनॉमी से रन दिए हैं। दो बार की पूर्व चैंपियन भारत को हालांकि इस बार स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की काफी कमी खलेगी, जो चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। बुमराह के कारण ही पिछले कुछ सालों में भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है। भारतीय टीम ने रविवार से दुबई में अभ्यास करना शुरू कर दिया है। अभ्यास सत्र में सभी की नजरें तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी पर थीं। बुमराह की अनुपस्थिति में शमी के कंधों पर काफी जिम्मेदारी रहेगी।

गेंदबाज का इकोनॉमी रेट प्रति ओवर फेंके गए रनों की औसत संख्या होती है। ज्यादातर परिस्थितियों में, इकोनॉमी रेट जितना कम होता है, गेंदबाज का प्रदर्शन उतना ही बेहतर माना जाता है। वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे बेहतरीन इकोनॉमी वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज जोएल गार्नर की है। उन्होंने 98 वनडे में 146 विकेट चटकाए और सिर्फ 3.09 की इकोनॉमी से रन दिए।

पर्याप्त बर्फबारी नहीं होने से खेलो इंडिया विंटर गेम्स स्थगित

नई दिल्ली.

खेलो इंडिया विंटर गेम्स के 5वें संस्करण का दूसरा चरण 22 फरवरी से गुलमर्ग में होना था, लेकिन पर्याप्त बर्फबारी नहीं होने की वजह से इस प्रतियोगिता को स्थगित कर दिया गया है।जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल ने इस बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025, जो 22-25 फरवरी के लिए तय थे, अपर्याप्त बर्फबारी की वजह से टाल दिए गए हैं। जब बर्फ की स्थिति में सुधार होगा, तब नई तारीखों की घोषणा की जाएगी।यह लगातार दूसरा साल है जब बर्फबारी की कमी के कारण इन खेलों को टालना पड़ा है। पिछले साल भी जनवरी में बर्फ नहीं गिरने के कारण इन्हें फरवरी में आयोजित किया गया था। खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025 का पहला चरण 23 से 27 जनवरी तक लेह में हुआ था। इसमें आइस हॉकी और आइस स्केटिंग जैसी बर्फीली खेल स्पर्धाएं आयोजित की गईं।पहले चरण में लद्दाख ने चार स्वर्ण सहित कुल सात पदक जीते, जबकि तमिलनाडु ने तीन स्वर्ण सहित कुल पांच पदक अपने नाम किए। महाराष्ट्र ने सबसे ज्यादा 10 पदक जीते, लेकिन सिर्फ दो स्वर्ण पदकों के कारण वह तीसरे स्थान पर रहा। खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2024 में महाराष्ट्र ने 20 स्केटिंग पदकों सहित छह स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया था।

एश्ली गार्डनर का ऑलराउंड प्रदर्शन

- गुजरात ने यूपी को छह विकेट से हराया

वडोदरा. कप्तान एश्ली गार्डनर और डिएंड्रा डॉटिन के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत गुजरात जायंट्स ने रविवार को वूमेंस प्रीमियर लीग के तीसरे मुकाबले में यूपी वॉरियर्ज को छह विकेट से हरा दिया। वडोदरा के कोताम्बी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में गार्डनर ने पहले दो विकेट झटके और फिर 31 गेंद पर ताबड़तोड़ 52 रनों की पारी हेली। वहीं डॉटिन ने भी दो विकेट झटके और 18 गेंद पर नाबाद 33 रन बनाए। गार्डनर को उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

यूपी वॉरियर्ज के 143 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात जायंट्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर

में मात्र दो रन के स्कोर अपने दो विकेट गवां दिये। इसके बाद कप्तान एश्ली गार्डनर ने लॉरा वुलफार्ट के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 55 रन जोड़े। नौ ओवर में सोफी एकल्सटन ने लॉरा वुलफार्ट (22) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

इसके बाद 12वें ओवर में तालिया मैक्ग्रा ने एश्ली गार्डनर को आउट कर पवेलियन भेज दिया। एश्ली गार्डनर ने 32 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (52) रनों की पारी खेली। डिएंड्रा डॉटिन 18 गेंदों में (33) और हरलीन देओल 30 गेंदों में (34) रन बनाकर नाबाद रही। गुजराज जायंट्स ने 18 ओवर में 144 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया। यूपी वॉरियर्ज की ओर से सोफी एकल्सटन ने दो विकेट लिये। ग्रेस हैरिस और तालिया मैक्ग्रा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे हपले आज यहां गुजराज जायंट्स की कप्तान एश्ली गार्डनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी यूपी वॉरियर्ज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज किरण नवगिरे (15) का विकेट गवां दिया। अगले ही ओवर में एश्ली गार्डनर ने दिनेश वृंदा (छह) को बोल्ड कर यूपी को दूसरा झटका दिया।

जयपुर में राजस्थान रॉयल्स के होंगे 5 मुकाबले

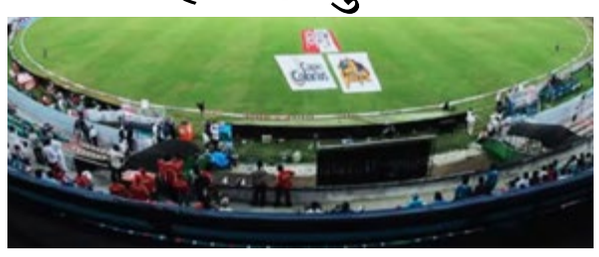

जयपुर.

आईपीएल 2025 के शेड्यूल का ऐलान हो चुका है, राजस्थान रॉयल्स को इस बार भी 2 होम ग्राउंड मिले हैं। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स को 5 मैच खेलने हैं तो पहले सीजन की चैंपियन 2 मैच गुवाहाटी में खेलेगी। 13 अप्रैल को जयपुर में राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2025 का मैच खेलेगी, सवाई मानसिंह स्टेडियम में उतरने से पहले रॉयल्स गुवाहाटी में दो मैच खेल चुकी होगी। सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स की टीम आखिरी बार 16 मई को उतरेगी।

राजस्थान रॉयल्स 23 मार्च को आईपीएल 2025 का पहला मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेलेगी, जहां उनका सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। इसके बाद टीम गुवाहाटी का दौरा करेगी, जहां पहला मुकाबला वे 26 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेलेगी तो दूसरे मुकाबले में उनका सामना 30 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स से होगा। इसके बाद 5 अप्रैल को राजस्थान की टीम न्यू चंडीगढ़ के पीसीए स्टेडियम में उतरेगी। 9 अप्रैल को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आरआर की टीम गुजरात टाइटंस का सामने करने के लिए जाएगी। 13 अप्रैल को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में उतरेगी, जो सीजन का पहला होमटाउन मैच होगा। 16 अप्रैल को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी तो 19 अप्रैल को टीम फिर जयपुर लौटेगी और लखनऊ सुपरजायंट्स का सामना करेगी। 24 अप्रैल को बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, 28 अप्रैल को जयपुर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ टीम मैदान पर उतरेगी। 1 मई को टीम जयपुर में मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी तो 4 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना करेगी। 12 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में राजस्थान की टीम मैदान पर उतरेगी तो लीग स्टेज का आखिरी मुकाबला खेलने के लिए टीम 16 मई को जयपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का मैच कल से

नई दिल्ली. कल से शुरू हो रहे आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का पहला मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बिच आरम्भ हो रहा है. वहीं भारत और पाकिस्तान के बीच बड़ा मुकाबला 23 फरवरी को दुबई में खेला जाएगा। भारतीय टीम अपने सारे मुकाबले दुबई में खेलेगी जबकि बाकी सभी मैचों का आयोजन पाकिस्तान करेगा। पाकिस्तान में, रावलपिंडी, लाहौर और कराची में तीन जगहों पर मैच खेले जाएंगे। पाकिस्तान में प्रत्येक जगह पर तीन ग्रुप गेम होंगे, जिसमें लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी भी करेगा। जबकि भारत से जुड़े तीन ग्रुप मैचों के साथ-साथ पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा।

-: भारत का मुकाबला :-

> 20 फरवरी बांग्लादेश बनाम भारत दुबई
> 23 फरवरी पाकिस्तान बनाम भारत दुबई
> 2 मार्च न्यूजीलैंड बनाम भारत दुबई
> चैंपियंस ट्रॉफी 2025 शेड्यूल मैच लिस्ट
> 19 फरवरी पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड कराची, पाकिस्तान
> 20 फरवरी बांग्लादेश बनाम भारत दुबई
> 21 फरवरी अफगानिस्तान बनाम दक्षिण अफ्रीका कराची, पाकिस्तान
> 22 फरवरी ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड लाहौर, पाकिस्तान
> 23 फरवरी पाकिस्तान बनाम भारत दुबई
> 24 फरवरी बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड रावलपिंडी, पाकिस्तान
> 25 फरवरी ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका रावलपिंडी, पाकिस्तान
> 26 फरवरी अफगानिस्तान बनाम इंग्लैंड लाहौर, पाकिस्तान
> 27 फरवरी पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश रावलपिंडी, पाकिस्तान
> 28 फरवरी अफगानिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया लाहौर, पाकिस्तान
> 1 मार्च दक्षिण अफ्रीका बनाम इंग्लैंड कराची, पाकिस्तान
> 2 मार्च न्यूजीलैंड बनाम भारत दुबई
> 4 मार्च सेमीफाइनल 1 दुबई
> 5 मार्च सेमीफाइनल 2 लाहौर, पाकिस्तान
> 9 मार्च फाइनल लाहौर या दुबई 10 मार्च रिजर्व डे.

एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारत ने स्पेन को 2-0 से हराया

भुवनेश्वर

. भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 (पुरुष) में स्पेन को 2-0 से हराकर पहले मैच में मिली 1-3 की हार का बदला ले लिया।

नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह की गैर मौजूदगी में रविवार रात खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम के लिए मनदीप सिंह ने (32वें) मिनट और दिलप्रीत सिंह ने (39वें) मिनट में गोल कर भारत को इस सीजन की पहली जीत दिलाई। भारतीय कप्तान को इस मैच में आराम दिया था।

पहले क्वार्टर में भारत ने जहां शानदार रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन किया वहीं स्पेन की टीम आक्रामक रही। इसके बावजूद पहला क्वार्टर गोल रहित रहा। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमें गोल नहीं कर सकी। हाफ-टाइम के बाद मनदीप ने दिलप्रीत की मदद से गतिरोध को तोड़ते हुए 32वें मिनट में गोलकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद दिलप्रीत सिंह ने 39वें मिनट में गोल दागकर बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद कई पेनल्टी कॉर्नर हुए लेकिन दोनों ही टीमें गोल करने में विफल रही।

डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल में ड्रॉप किए जाने से रहाणे नाराज़

नई दिल्ली. पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे इन दिनों भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे हैं। रहाणे रणजी ट्रॉफी 2024-25 में मुंबई क्रिकेट टीम की कमान संभाल रहे हैं और टीम इंडिया में वापसी के लिए बेताब हैं। 36 साल के रहाणे ने वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप 2021-23 के फ़ाइनल में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। बावजूद इसके उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया, जबकि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ी लंबे समय से खराब फॉर्म में होने के बावजूद टीम में बने हुए हैं। रहाणे ने उम्मीद जताई है कि वे घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन के आधार पर जल्द भारतीय टीम में वापसी करेंगे। रहाणे ने कहा,"जाहिर है, मैं

पहले से ज्यादा अनुभवी हूं, लेकिन फिर भी खुद को युवा महसूस करता हूं। मैं उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए पर्याप्त रूप से फिट हूं। मैं इस खेल से प्यार करता हूं और अच्छा प्रदर्शन करने की भूख बरकरार है। मैं अपने खेल से कभी संतुष्ट नहीं होता और चीजों को हल्के में नहीं लेता।"

अपनी वापसी को लेकर रहाणे ने कहा,"मैं इस समय रणजी ट्रॉफी खेल रहा हूं, मुंबई टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहा हूं। मेरा लक्ष्य एक बार फिर वापसी करना है। जब कुछ साल पहले मुझे टीम से बाहर किया गया था, तो मैंने रन बनाए और मुझे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए चुना गया और फिर मुझे फिर से टीम से बाहर कर दिया गया। लेकिन मेरे नियंत्रण में बस खेलना है।"

रहाणे ने आगे कहा,'मैं हमेशा से शर्मीला था, अब मैं खुल गया हूं। मेरा ध्यान क्रिकेट खेलने और घर जाने पर रहा है। किसी ने मुझे नहीं बताया कि आगे बढ़ने के लिए कुछ चीजों की जरूरत होगी। आज भी, कभी-कभी मुझे लगता है कि बस क्रिकेट खेलो, घर जाओ। अब मुझे कहा जाता है कि मुझे अपनी मेहनत के बारे में बात करनी चाहिए। लोग कहते हैं कि आपको खबरों में बने रहने की जरूरत है... मेरे पास कोई PR टीम नहीं है, मेरा एकमात्र PR मेरा क्रिकेट है। मुझे अब अहसास हो गया है कि खबरों में बने रहना बहुत जरूरी है। नहीं तो लोग सोचते हैं कि मैं खबरों से बाहर हो गया हूं।'

28 फरवरी तक बंद किया गया संगम रेलवे स्टेशन

प्रयागराज.

महाकुंभ को लेकर प्रयागराज में अभी तक भारी भीड़ उमड़ रही है, भीड़ को देखते हुए प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन को अब 28 फरवरी तक के लिए बंद कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि अगर भीड़ की हालत ऐसी ही रही तो प्रयागराज संगम स्टेशन को बंद रखने की तारीख को आगे बढ़ाया जा सकता है। डीएम ने मंडल रेल प्रबंधक को इस विषय में एक पत्र भी लिखा है। पत्र में कहा गया है कि महाकुंभ में अत्यधिक संख्या में श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों का आगमन हो रहा है, ऐसे में उनके सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आवागमन हेतु 17 फरवरी से 28 फरवरी 2025 तक दारागंज से रेल यात्रियों का आवागमन बंद किया जाना आवश्यक है। इसको लेकर प्रयागराज डीएम रविन्द्र कुमार मांदड़ ने मंडल रेल प्रबंधक से अनुरोध किया है कि उपरोक्त तारीख को दारागंज यानी प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन को यात्रियों के आने-जाने के लिए बंद रखा जाए।बता दें कि महाकुंभ क्षेत्र के दारागंज इलाके में संगम रेलवे स्टेशन पड़ता है और यह मेला क्षेत्र के सबसे करीब का रेलवे स्टेशन है। वहीं स्टेशन पर तैनात आरपीएफ और जीआरपी जवानों से भी भीड़ को देखते हुए अलर्ट मोड में रहने को कहा गया है। दरअसल, महाशिवरात्रि से पहले महाकुंभ में काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ऐसे में प्रयागराज में शहर के अंदर और बाहर वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। रविवार को छुट्टी की वजह से प्रयागराज और उसके आसपास के इलाकों में लंबा जाम लगा रहा लेकिन फिलहाल ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही है। यूपी के डीजीपी ने बताया कि महाकुंभ में आने के लिए प्रयागराज के चारों तरफ के रास्तों में ट्रैफिक सुचारू रूप से चल रहा है।

केरल में लगाए गए हमास के लीडर्स के पोस्टर

पालक्काड.

केरल के पालक्काड के हैरान कर देने वाली तस्वीर सामने आ रही है। यहां एक मुस्लिम धार्मिक कार्यक्रम में हमास के कई बड़े लीडर्स के पोस्टर और बैनर लोगों के हाथों में नजर आए। इसका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लोग पोस्टर लिए नजर आ रहे हैं। इस मामले ने अब जबरदस्त तूल पकड़ लिया है और अब बीजेपी भी इसे लेकर सरकार पर हावी होती नजर आ रही है। मुस्लिम धार्मिक कार्यक्रम में लगाए गए पोस्टर अब तक मिली जानकारी के मुताबिक रविवार को पालक्काड के प्रसिद्ध मुस्लिम पीर त्रिथला की मजार पर उर्स का कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस दौरान सजे-धजे हाथियों पर सवार कुछ युवकों ने हमास लीडर इस्माइल हानिया और याहिया सिनवर के पोस्टर दिखाए, इस विवाद के सामने आने के बाद BJP और अन्य हिन्दू संघटनों ने आरोप लगाया है कि केरल में खुलेआम रेडिकलाइजेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है। जानकारी दे दें कि इजराइल ने इन दोनों हमास लीडर्स इस्माइल हानिया और याहिया सिनवर को अलग-अलग ऑपरेशन के दौरान मौत के घाट उतार दिया था। पहले भी हो चुका ये काम गौरतलब है कि इजरायल और फिलिस्तीन के बीच जंग के दौरान साल 2023 के अंत में केरल में इजराइल के खिलाफ आयोजित एक कार्यक्रम को हमास के एक नेता ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित किया था।

गोवा में विदेशी महिला से रेप और फिर हत्या का मामला

> दोषी को आजीवन कारावास की सजा

पणजी.

गोवा में एक विदेशी महिला से दुष्कर्म तथा उसकी हत्या के मामले में कोर्ट ने दोषी को सख्त सजा सुनाई है। आयरलैंड-ब्रिटेन की नागरिक से रेप-मर्डर के मामले में सोमवार को एक स्थानीय निवासी विकट भगत को दोषी ठहराया गया और उसे कठोर सजा सुनाई गई। विकट भगत को सात साल पुराने आयरलैंड-ब्रिटेन की नागरिक से रेप-मर्डर मामले में दोषी ठहराया है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, आइरिश-ब्रिटिश महिला नागरिक का शव 14 मार्च 2017 को दक्षिण गोवा के कैनाकोना गांव के एक वन क्षेत्र में मिला था। नॉर्थवेस्ट आयरलैंड के डोनेगल की रहने वाली 28 वर्षीय महिला मार्च 2017 में गोवा घूमने आई थी । इस दौरान भगत ने उससे दोस्ती की। इसके बाद एक दिन भगत ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और फिर उसकी हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, विदेशी महिला पर पत्थर से हमला किया गया था। इस कारण उसकी मौत हो गई। महिला का शव खून से लथपथ और निर्वस्त्र अवस्था में मिला था। उसके सिर और चेहरे पर चोट के निशान भी थे। कोर्ट ने जुर्माना भी लगाया कोर्ट ने इस मामले के दोषी को सबूत नष्ट करने के लिए दो साल की कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि दोनों सजाएं एक साथ चलेंगी। मामले की जांच कर रही पुलिस ने बताया है कि इस मामले में बहुत सावधानी के साथ एक-एक सबूत को इकट्ठा किया गया। इसके बाद जांच को पूरा किया गया और पुलिस दोषी को सजा दिलाने में कामयाब रही। कोर्ट ने दोषी पर दुष्कर्म तथा हत्या के लिए 25,000 रुपये और सबूत नष्ट करने के लिए 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

दिल्ली के रामलीला मैदान में लग रहा टेंट और बिछ गए सोफे

नई दिल्ली .

दिल्ली के रामलीला मैदान में मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी शुरू हो चुकी हैं। मैदान को साफ किया जा रहा है, पानी का छिड़काव भी हो रहा है। सोफे आ चुके हैं। टेंट लगना शुरू हो चुका है। बीजेपी के कार्यकर्ता लगातार यहां पर तैयारी में लगे हुए हैं। दिल्ली में 20 फरवरी को मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण का समारोह होगा। रामलीला मैदान में इस खास समारोह का आयोजन किया जाएगा।

बुधवार को बीजेपी के विधायक दल की बैठक: सोमवार को होने वाली बीजेपी विधायक दल की बैठक टल गई है। अब 19 फरवरी, बुधवार की शाम 5 बजे के लगभग बीजेपी विधायक दल की बैठक होगी और 20 फरवरी, गुरुवार को शपथग्रहण का बड़ा कार्यक्रम होगा। शपथ ग्रहण का कार्यक्रम रामलीला मैदान में आयोजित किया जाएगा। शुरू से ही इसी मैदान में थी शपथ समारोह की चर्चा दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद नए मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह रामलीला मैदान में होगा।

विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा 8 फरवरी को की गई थी। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया था कि रामलीला मैदान उन संभावित स्थलों में से एक है, जिन पर विचार किया जा रहा था।

एचआईवी पीड़ितों के इलाज पर संकट

जोहानिस्बर्ग.

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा विदेशी सहायता रोके जाने के फैसले से दक्षिण अफ्रीका में एचआईवी संक्रमितों के इलाज पर संकट पैदा हो गया है। दक्षिण अफ्रीका के क्वाज़ुलु-नटाल प्रांत के एक ग्रामीण इलाके में रहने वाली नोज़ुको माजोला (19) उन लाखों मरीजों में से एक हैं जिनपर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा वैश्विक विदेशी सहायता रोकने का प्रभाव पड़ा है। इससे एचआईवी मरीजों के इलाज में रुकावट, संक्रमण दर में वृद्धि और मौतों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

यहां भयावह हैं हालात: 'ह्यूमन साइंसेज रिसर्च काउंसिल' ने वर्ष 2024 में बताया था कि दक्षिण अफ्रीका में एचआईवी का दूसरा सबसे अधिक प्रसार मजोला के ही प्रांत में है जहां हर सप्ताह करीब 1,300 युवा इस संक्रमण की चपेट में आते हैं। क्वाज़ुलु-नटाल में 2022 में लगभग 19.8 लाख लोग एचआईवी से संक्रमित थे। देश में 75 लाख से अधिक लोग एड्स रोग उत्पन्न करने वाले विषाणु से संक्रमित हैं और यह संख्या किसी भी अन्य देश से अधिक है। मरीजों के इलाज पर संकट डोनाल्ड ट्रंप द्वारा राष्ट्रपति आपात एड्स राहत योजना को निलंबित किए जाने से देश के 55 लाख मरीजों के इलाज पर संकट खड़ा हो गया है। इस योजना के तहत हर साल दक्षिण अफ्रीका के एचआईवी कार्यक्रमों और अनेक एनजीओ को 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मदद मिलती थी।

नई दिल्ली के एक ही प्लेटफार्म से जाएंगी सभी प्रयागराज स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली.

प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में देशभर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु हर दिन शामिल हो रहे हैं। इस बीच शनिवार की शाम को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की संख्या अधिक होने की वजह से भगदड़ मच गई। इस हादसे में 18 लोगों की जान चली गई। वहीं इस घटना के एक दिन बाद उत्तर रेलवे की ओर से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है। रेलवे ने प्रयागराज जाने वाली सभी स्पेशल ट्रेनों के संचालन कि लिए प्लेटफार्म नंबर 16 से संचालन तय किया है।

प्लेटफार्म नंबर 16 से ही जाएंगी: प्रयागराज स्पेशल ट्रेनें उत्तर रेलवे ने बताया कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की दुखद घटना के एक दिन बाद, उत्तर रेलवे ने आने वाले दिनों में ऐसी किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए कई उपाय लागू किए। यह निर्णय लिया गया है कि प्रयागराज की ओर जाने वाली सभी विशेष ट्रेनें प्लेटफॉर्म नंबर 16 से चलाई जाएंगी। इसलिए, प्रयागराज जाने के इच्छुक सभी यात्री नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट की ओर से आएंगे और जाएंगे। सभी प्लेटफार्म से नियमित ट्रेनों का संचालन यथावत जारी रहेगा। यह पीक आवर की भीड़ को एक प्लेटफॉर्म पर जमा होने से बचाने की दिशा में एक कदम है। रेलवे स्टेशन पर अभी भी भीड़ बता दें कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 लोगों के जान गंवाने के एक दिन बाद रविवार को भी स्टेशन पर भीड़भाड़ रही। हजारों यात्रियों को भारी भीड़ के बीच विभिन्न ट्रेन में सवार होने के लिए संघर्ष करना पड़ा। अतिरिक्त उपायों के बावजूद, यात्रियों का पहुंचना जारी है, जिनमें से ज्यादातर लोग प्रयागराज जाने वाले महाकुंभ तीर्थयात्री हैं। अत्यधिक भीड़ के कारण अधिकारियों के लिए स्थिति को संभालना मुश्किल हो गया है। भगदड़ शनिवार रात करीब 10 बजे हुई। फिर भी, कई घंटों बाद भी भीड़ कमोबेश पूर्व की तरह ही नजर आ रही है। हजारों लोग अब भी प्लेटफॉर्म और फुट-ओवर ब्रिज पर खड़े होने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

अमृतसर.

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने ज्ञानी हरप्रीत सिंह को जत्थेदार के पद से हटाए जाने का विरोध करते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह हमेशा श्री अकाल तख्त साहिब के प्रति समर्पित रहे हैं और हमेशा रहेंगे। धामी ने एसजीपीसी के अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दिया है। धामी का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब कुछ दिन पहले अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने एसजीपीसी द्वारा दमदमा साहिब के जत्थेदार के रूप में ज्ञानी हरप्रीत सिंह की सेवाएं समाप्त करने की कड़ी निंदा की थी। धामी ने कहा कि वह हमेशा सिखों की सर्वोच्च धार्मिक पीठ अकाल तख्त के प्रति प्रतिबद्ध हैं। ज्ञानी हरप्रीत सिंह की बर्खास्तगी निंदनीय हरजिंदर सिंह धामी ने कहा, "इससे पहले शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की कार्यकारी समिति ने ज्ञानी हरप्रीत सिंह को तख्त दमदमा साहिब के जत्थेदार पद से बर्खास्त कर दिया था। मैं हमेशा श्री अकाल तख्त साहिब के प्रति समर्पित रहा हूं और हमेशा रहूंगा।" श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह को हटाए जाने के बाद ज्ञानी रघबीर सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया और उन्होंने (ज्ञानी हरप्रीत सिंह) की बर्खास्तगी को बेहद निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा "नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मैं शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देता हूं।"

संभल हिंसा में शामिल हसन और समद गिरफ्तार

> दोनों ने कबूला- किस तरह पुलिस पर की फायरिंग और पथराव?

संभल.

उत्तर प्रदेश के संभल शहर के कोट गर्वी मुहल्ले में पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने रविवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मोहम्मद हसन और समद को नखासा थाना क्षेत्र में गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया गया।

लोगों को उकसाने और एकत्र होने को कहा गया: पूछताछ के दौरान आरोपियों ने 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद में एक सर्वेक्षण के दौरान एकत्र हुई भीड़ का हिस्सा होने की बात स्वीकार की। बयान के मुताबिक पकड़े गए लोगों ने पूछताछ में बताया है कि घटना के बारे में सुनने के बाद वे अंजुमन चौराहे पहुंचे जहां मुन्ना के बेटे सुभान सहित भीड़ एकत्र हुई थी। समूह ने कथित तौर पर लोगों को उकसाया, मामले को धार्मिक बताया और उन्हें एकजुट होने का आग्रह किया। पुलिसपरफायरिंगऔरपथरावकियागया इसके बाद, भीड़ हिंदूपुरा खेड़ा नखासा तिराहे की ओर बढ़ी, जहां उन्होंने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलाईं, पथराव किया और पुलिस के एक वाहन को आग लगा दी। बयान के अनुसार, दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। मस्जिद का सर्वेक्षण कराने का पारित हुआ था आदेश मालूम हो कि पिछले साल 19 नवंबर को संभल की एक स्थानीय अदालत ने हिंदू पक्ष की याचिका पर गौर करने के बाद अधिवक्ता आयुक्त द्वारा मस्जिद का सर्वेक्षण कराने का आदेश पारित किया था। यह आदेश हिंदू पक्ष की उस याचिका पर दिया गया था, जिसमें दावा किया गया था कि जामा मस्जिद का निर्माण मुगल सम्राट बाबर ने 1526 में एक मंदिर को ध्वस्त करने के बाद किया था।

24 नवंबर को हुई थी हिंसा: इसी मस्जिद के 24 नवंबर को दूसरे दौर के सर्वेक्षण के दौरान इसका विरोध कर रहे स्थानीय लोगों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। बड़ी संख्या में अन्य लोग घायल हो गए थे।

लव, लिव-इन और डिमांड...

> खौफनाक अंजाम तक पहुंची कॉल गर्ल और दलाल की प्रेम कहानी

उदयपुर.

राजस्थान के उदयपुर में एक कॉल गर्ल और उसके दलाल प्रेमी की प्रेम कहानी का खौफनाक अंत हो गया है। हाल ही में उदयपुर के मदार इलाके के शमशान में मिली महिला की अधजली लाश मिली थी। जांच के दौरान मामले में बड़गांव थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कॉलगर्ल हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, पुलिस जांच में मृतका की शिनाख्त दिल्ली निवासी आरती के रूप में हुई थी। उसके बाद 200 से अधिक सीसीटीवी खंगालने और 100 से ज्यादा मोबाइल नंबर को टटोलने के बाद आखिर पुलिस आरोपी तक पहुंच ही गई।

कुछ ऐसे दिया घटना को अंजाम: पुलिस ने बताया कि मतका कॉल गर्ल के रूप में काम करती थी और आरोपी उसका हैंडलर था, दोनों लिव-इन में रह रहे थे। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि मृतका आरती आरोपी विनोद से लगातार तरह-तरह की मांगें कर रही थी, इसी से परेशान होकर आरोपी विनोद ने आरती को उसी के घर में पहले तो गला दबाकर मारा और फिर सबूत को मिटाने के लिए शव को गाड़ी में डालकर श्मशान ले आया, जहाँ उसने युवती के शव पर पेट्रोल डालकर श्मशान में लिटा दिया, और जलाकर भाग गया। पुलिस ने खंगाले 200 से अधिक सीसीटीवी पुलिस ने आगे बताया उन्होंने इस मामले के खुलासे के लिए 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और 100 से अधिक मोबाइल नंबरों को रडार पर रखा और उसे चेक किया और उसी आधार पर छानबीन शुरू की तो एक क्रेटा कार संदिग्ध नजर आई। कार के नंबर के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंची और हत्या के आरोप में दलाल विनोद टांक को गिरफ्तार किया है। एसपी उदयपुर योगेश गोयल ने बताया कि मृतका मूलतः दिल्ली की रहने वाली थी लेकिन पिछले एक साल से उदयपुर में आरोपी विनोद टांक के साथ लिव-इन में रह रही थी। मृतका आरती और आरोपी दीपक दोनों ही एस्कॉर्ट सर्विस का काम करते थे। फिलहाल मृतका के परिजनों को सूचना दी गई है उनके आने के बाद पोस्टमार्टम किया जाएगा। वहीं आरोपी विनोद को गिरफ्तार कर लिया गया है जिससे पूछताछ जारी है।

मुस्लिम लोग हिंदुओं को अपना भाई मानें

> नियाज खान ने मुसलमानों को खास सलाह देकर दिया भाईचारे का संदेश

भोपाल.

मध्य प्रदेश के मुस्लिम आईएएस नियाज खान ने मुसलमानों को खास सलाह देते हुए भाई चारे का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम लोग हिंदुओं को अपना भाई मानें। जहां उन्होंने कहा कि वह वैज्ञानिक आधार और तर्क पर बात करते हैं। भारत के किसी भी मुसलमान के जीन्स की जांच कर लें, वह हिंदुओं का ही निकलेगा। सऊदी अरब, ईरान औक इराक का नहीं निकलेगा। 3000 साल पुराना सनातन धर्म आईएएस नियाज खान ने जोर देते हुए कहा कि किसी भी मुसलमान का जांच करवा लें, किसी का भी जीन्स अरब का नहीं निकलेगा। 3000 साल पुराने भारत के सनातन धर्म का जीन्स निकलेगा। इस्लाम तो 600 साल पहले आया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जहां पर 80% हिंदू रह रहे हैं, वो लोग गाय को अपनी मां मानते हैं। हिंदू हमारे भाई हैं, तो क्या हम अपनी मां की रक्षा नहीं कर सकते हैं।

57 मुस्लिम देशों में भारत सबसे सुरक्षित देश :नियाज खान ने कहा कि 57 मुस्लिम देशों में सबसे सुरक्षित भारत है। यहां का हिंदू बड़ा उदारवादी है। मैं भारत में ही रहूंगा। अरब देश फिलिस्तीन की बात करते हैं लेकिन उन्हें कोई बचाने नहीं जाता है। आईएएस रिजवी ने कहा, 'मुझे फतवे से डर नहीं लगता हैं। मैं राइटर हूं। 11 नॉवेल लिख चुका हूं। दुनिया में अगर राइटर डरने लगे तो ना सलमान रुश्दी आते ना तस्लीमा नसरीन आती ना बड़े-बड़े लेखक आगे आ पाते।'

जब मुसलमान पर मुसीबत आएगी : हिंदू मदद करेगा उन्होंने कहा कि अगर मुसलमान मुसीबत में आएगा तो इतनी दूर उन्हें कौन बचाने आएगा? जब-जब मुसलमान पर मुसीबत आई होगी। हिंदू सामने निकल कर आया। हमारी मदद किया हम भी उनकी मदद करते हैं। इंडोनेशिया और मलेशिया में 100 प्रतिशत हिंदू राज्य थे। आज मुस्लिम देश हो गए। आज भी वहां परंपराएं मुसलमान के अंदर हिंदू परंपरा मिल जाएगी।

नियाज खान की आईं दो किताबें: आईएएस नियाज खान ने कहा, 'मैं लेखक हूं। मेरी दो किताबें आ चुकी हैं। 'ब्राह्मण द ग्रेट' और 'वार अगेंस्ट कलयुग' जो सनातन धर्म पर है। सनातन धर्म का काफी अध्ययन किया है मैंने काफी वैज्ञानिक और जेनेटिक अध्ययन किया है। ब्राह्मण कहां से आए? वह भी अध्ययन किया है। हिंदुओं का क्या अस्तित्व है? आदिवासियों का क्या रोल रहा है? मुस्लिम कहां से आए हैं? मैं जो बात करता हूं, तर्क पर करता हूं। जेनेटिक आधार पर करता हूं। किसी की भी जींस की जांच करा लें किसी का भी जीन्स अरब से मैच नहीं करेगा। यहीं के हिंदुओं से मैंच करेगा।'

धर्म बदलना कोई बुराई नहीं: नियाज खान ने कहा, 'यह पांचवी का लड़का भी समझ सकता है कि हमारे जींस के जांच करने पर भारत का ही मिलेगा। सऊदी अरब, ईरान, इराक और अरब का नहीं मिलेगा। हमने धर्म बदलाव कर कोई नया धर्म में आए हैं तो यह कोई बुराई थोड़ी ना है। हमारे पास अच्छा धर्म है। मुस्लिम है मोहम्मद साहब के फॉलोअर हैं लेकिन हम अपने ओरिजिनल को कैसे भूल जाएं, हम कैसे ओरिजिन को भूल जाएं सबको मालूम है कि इस्लाम की शुरुआत अरब देशों से हुई है, जो 57 देशों तक पहुंची है।'

इंडोनेशिया और मलेशिया हिंदू राज्य थे: उन्होंने कहा, 'इंडोनेशिया, मलेशिया 100% हिंदू राज्य थे। जो आज मुस्लिम देश हो गए। आज भी वहां परंपराएं मुसलमान के अंदर हिंदू परंपरा मिल जाएंगे। लोग सत्य जानना नहीं चाहते। सब अपमान महसूस करते हैं किसी को कह दिया जाए कि सब हिंदू है तो उनका इगो हर्ट होता है जबकि सब जानते हैं कि इसका वैज्ञानिक कारण है।'

इस्लाम 600 साल पहले आया: नियाज खान ने कहा, 'सबने इस्लाम शिक्षा से कबूल की है भले ही उसके गुण दोष देखकर कबूला हो। फिलिस्तीन की हत्या होती है तो कोई अरब वाला उन्हें बचाने नहीं जाता। मुसलमान मुसीबत में आएगा तो इतनी दूर उन्हें कौन बचाने आएगा जब-जब मुसलमान पर मुसीबत आई होगी हिंदू सामने निकल कर आया हमारी मदद किया हम भी उनकी मदद करते हैं। किसी भी मुसलमान का जांच करवा ले किसी का भी जींस अरब का नहीं निकलेगा 3000 साल पुराना भारत का सनातन धर्म का निकलेगा, इस्लाम तो 600 साल पहले आया है।'

पाकिस्तान फिर हुआ बेइज्जत!

> सऊदी अरब और यूएई समेत कई देशों का सख्त रुख

इस्लामाबाद.

सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य देशों से पिछले दो दिनों में लगभग 170 पाकिस्तानियों को निर्वासित किया गया है। सूत्रों के हवाले से बताया कि सऊदी अधिकारियों ने भीख मांगने, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध रूप से रहने, नौकरी से भागने और अनुबंध संबंधी समझौतों का उल्लंघन करने में शामिल 94 पाकिस्तानियों को निर्वासित किया है।

अन्य देशों से भी निकाले गए पाकिस्तानी: खबर के मुताबिक, कुछ लोगों को काली सूची में भी डाला गया है। पिछले दो दिनों में अवैध गतिविधियों और अन्य उल्लंघनों के लिए सजा काटने के बाद संयुक्त अरब अमीरात से 39 अन्य पाकिस्तानियों को निर्वासित किया गया है।

इतना ही नहीं कई अन्य पाकिस्तानियों को ओमान, थाईलैंड, इराक, यूके, साइप्रस, इंडोनेशिया, मॉरिटानिया, कतर और तंजानिया से निर्वासित किया गया है। सऊदी अरब का सख्त रुख बता दें कि, हाल ही में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी कहा था कि सऊदी अरब ने उमराह वीजा पर जाकर भीख मांग रहे 10 पाकिस्तानियों को वापस देश भेज दिया है। कराची के जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरते ही इन सभी भिखारियों को पुलिस हिरासत में ले लिया था। पाकिस्तान की पुलिस ने भिखारियों को हिरासत में लेने के बाद कराची एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सर्किल को भेज दिया गया था। ये भिखारी पिछले कई महीनों से सऊदी अरब में भीख मांग रहे थे। सऊदी ने लगाई थी पाकिस्तान तो लताड़ गौरतलब है कि, इससे पहले सऊदी सरकार ने सख्त रुख दिखाते हुए पाकिस्तान को लताड़ भी लगाई थी। सऊदी ने कहा था कि ऐसे लोगों (भिखारियों) को यहां आने से पहले रोका जाए और उन पर कार्रवाई की जाए। सऊदी अधिकारियों ने चेतावनी तक दी थी कि अगर पाकिस्तान भिखारियों को नहीं रोक पाया तो इसका असर पाकिस्तानी उमरा और हज यात्रियों पर पड़ सकता है।